मूल्य : 5/-
7 अक्टूबर से 13 अक्टूबर, 2024
वर्ष - 3, अंक - 25

शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

पेज 5
करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले...

पेज 5
पिता बनने के बाद बदल...

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

जाति आधारित काम के बंटवारे पर लगाएं रोकः सुप्रीम कोर्ट

किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना गलत, कोर्ट ने तीन महीने में मैनुअल में संशोधन का दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जेलों में जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जेल में काम के बंटवारे में जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे, ने गुरुवार को मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना न केवल गलत है, बल्कि इस बात को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने मुद्दे पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।मामले की शुरूआत एक जनहित याचिका से हुई, इसमें पत्रकार ने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि देश के करीब 17 राज्यों की जेलों में जाति के आधार पर भेदभाव होता है। इस पर पहली सुनवाई जनवरी 2024 में हुई, सुनवाई के बाद अदालत ने राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जेल मैनुअल में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले नियमों को तीन माह के भीतर संशोधित करना चाहिए। इस निर्देश के बाद, यह अपेक्षा की जा रही है कि राज्य सरकारें अपनी जेलों में सुधार करने के लिए जरुरी कदम उठाएंगी और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए ठोस उपाय करेंगी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने समाज में जातिगत भेदभाव के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है और यह सुनिश्चित कर दिया हैं कि जेलों में कैदियों के साथ समानता और मानवाधिकारों का पालन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जो समाज में समानता और न्याय के सिद्धांतों को बढ़ावा देता है।

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव, जिन्हें सद्गुरु के नाम से जाना जाता है, उनके ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट द्वारा जारी जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। यह आदेश तब आया है जब फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी। मद्रास हाई कोर्ट ने स्टालिन सरकार को ईशा फाउंडेशन के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक मामलों का विवरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। अदालत ने निर्णय तब लिया जब एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की, इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी दो बेटियों को फाउंडेशन के अधिकारियों ने ब्रेनवॉश कर उन्हें कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में रहने के लिए विवश किया है। कमराज ने अदालत में कहा कि उनकी बेटियों को परिवार से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल थे। बेंच ने सुनवाई के दौरान उन महिलाओं से बातचीत की, जिन्होंने बताया कि वे अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं और उन्हें किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले को मद्रास हाई कोर्ट से अपने पास ट्रांसफर किया जाएगा और पुलिस को मामले में आगे की कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम हाईकोर्ट द्वारा पुलिस को दिए गए निदेर्शों पर रोक लगाते हैं, और मामले की स्थिति रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करने का आदेश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बेंच के समक्ष मामले को गंभीरता से उठाया, यह बताते हुए कि यह धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट मौखिक आरोपों के आधार पर जांच शुरू नहीं कर सकता। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी ईशा फाउंडेशन का समर्थन कर कहा कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के ध्यान में लाने के योग्य है। मद्रास हाई कोर्ट ने इस पर संदेह जताया कि वासुदेव अपनी बेटी का विवाह कर एक समृद्ध जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं, जबकि अन्य महिलाओं को सांसारिक जीवन छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस संदर्भ में, उच्च न्यायालय ने फाउंडेशन के खिलाफ निर्देश जारी किए थे।

ट्रक ने दो मासूम संग तीन को कुचला, मौत

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन में अनियंत्रित ट्रक के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग किनारे घर में घुसने के कारण मासूम भाई-बहन सहित तीन की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक चोपन विजय चौरसिया के साथ मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी राहत कार्य में जुट गए।घायल को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई जा रही थी। घटना को लेकर मौके पर अफरातफरी, चीख-पुकार की स्थिति बनी हुई थी। बताते हैं कि रात सवा आठ बजे के करीब एक ट्रक राबटर्सगंज की तरफ से चोपन के लिए जा रहा था। बताते हैं कि ट्रक जैसे ही, सलखन स्थित फासिल्स पार्क मोड़ के पास पहुंचा। अनियंत्रित होकर वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग के पूर्वी किनारे स्थित मकानों में जा घुसा। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक ट्रक से कुचलकर मासूम उम्र भाई-बहन और उसके एक 27 वर्षीय पड़ोसी की मौत हो चुकी थी। बताते हैं कि हादसे की चपेट में आकर, घर के बाहर खेल रहे बिंदू जायसवाल के छह वर्षीय पुत्र अंश और चार वर्षीय पुत्री जस्विन तथा पड़ोसी अन्नू उर्फ अंशू 27 चर्ष पुत्र स्व. शंकर की मौत हो गई। उधर, इस हादसे की सूचना जैसे ही लोगों को मिली हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विजय चौरसिया भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।

पूर्व विधायक मुन्ना व मंटू तिवारी को उम्रकैद

मुजफ्फरपुर। सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या से जुड़े मामले में गुरुवार को अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को उम्रकैद की सजा सुनाई, जबकि पूर्व सांसद सूरजभान सिंह और राजन तिवारी सहित छह अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। रमा देवी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देकर अपने संघर्षपूर्ण जीवन की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि उनके पति की हत्या बाहुबलियों द्वारा की गई थी, जो अस्पताल में हथियारों से लैस होकर आए थे। रमा देवी ने कहा कि उनका जीवन और उनके बच्चों का भविष्य घटना के बाद पूरी तरह अंधकारमय हो गया। रमा देवी ने कहा कि यह सफर बहुत मुश्किलों भरा रहा, लेकिन वे इस लड़ाई को अंत तक लड़ती रहीं। रमा देवी ने कहा कि जब हाईकोर्ट ने आरोपियों को बरी किया था, हाईकोर्ट का फैसला समझ नहीं आया कि किस आधार पर निर्णय लिया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मामले को सुप्रीम कोर्ट में ध्यान देने की अपील की थी। हालांकि, उन्होंने बरी किए गए आरोपियों के खिलाफ आगे अपील करने की बात से इंकार कर कहा कि अब उन्हें मां भगवती से ही न्याय की उम्मीद है।

हॉस्पिटल में डॉक्टर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कुंज स्थित जैतपुर इलाके के नीमा हॉस्पिटल में दो नाबालिगों ने एक 55 साल के डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान यूनानी डॉक्टर जावेद अख्तर के रूप में हुई है। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। उनकी तलाश की जा रही है। हॉस्पिटल कर्मचारियों के अनुसार, दोनों आरोपियों की उम्र 16 से 17 साल के बीच थी।

सीनियर फाइटर पायलट पर यौन शोषण का आरोप : नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक सीनियर फाइटर पायलट पर एक पूर्व सिविलियन इंटर्न द्वारा दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया गया है, इसके बाद वायुसेना ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की है।

हरियाणा में भाजपा को लगा बड़ा झटका

अशोक तंवर कांग्रेस में लौटे, घंटेभर पहले भाजपा के लिए मांग रहे थे वोट

महेंद्रगढ़। हरियाणा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा का करारा झटका लगा है। वोटिंग से ठीक दो दिन पहले पूर्व सांसद और दलित नेता अशोक तंवर ने कांग्रेस में वापसी कर ली है। महेंद्रगढ़ की चुनावी रैली में राहुल गांधी की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी में वापसी की। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद थे। बड़ी बात यह है कि अशोक तंवर घंटे भर पहले भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांग रहे थे लेकिन कुछ ही समय बाद उनका हृदय परिवर्तन हो गया। उनकी घर वापसी पर कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा, कांग्रेस ने लगातार शोषितों, वंचितों के हक की आवाज उठाई है और संविधान की रक्षा के लिए पूरी ईमानदारी से लड़ाई लड़ी है।

हमारे इस संघर्ष और समर्पण से प्रभावित होकर आज इखढ के वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद, हरियाणा में इखढ की कैंपेन कमेटी के सदस्य और स्टार प्रचारक श्री अशोक तंवर कांग्रेस में

शामिल हो गए। दलितों के हक की लड़ाई को आपके आने से और मजबूती मिलेगी। कांग्रेस परिवार में आपका पुनः स्वागत है, भविष्य के लिए शुभकामनाएं। बता दें कि अशोक तंवर हिसार से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। वह हरियाणा कांग्रेस के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। अक्तूबर 2019 में उन्होंने हुड्डा से कथित मनमुटाव की वजह से कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वह आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे। जब आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातें होने लगी तब उन्होंने जनवरी 2024 में आप का भी साथ छोड़ दिया और भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्हें खुद मनोहर लाल खट्टर ने पार्टी में शामिल करवाया था। अशोक तंवर हरियाणा में भाजपा चुनाव अभियान समिति के सदस्य और प्रमुख प्रचारकों में शामिल थे। अशोक तंवर को तेज तर्रार नेताओं के रूप में गिना जाता है। एक समय ऐसा भी था जब वह राहुल गांधी के करीबियों में शामिल थे। 2014 में राहुल गांधी ने ही उन्हें हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

इससे पहले वह कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और यूथ कांग्रेस के प्रभारी भी रह चुके हैं। 2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ हुए मतभेद के बाद तंवर ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्हें पार्टी में फिर से शामिल कराकर कांग्रेस ने दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश की है।

टीचर की पत्नी का प्रेमी निकला कातिल

पत्नी ने चंदन के खिलाफ दर्ज कराई थी शिकायत, पर्दाफाश से मची सनसनी

अमेठी। अमेठी हत्याकांड में चौंकाने वाली बात सामने आई है। रायबरेली के चंदन वर्मा ने ही टीचर के पूरे परिवार की हत्या की। सूत्रों के मुताबिक, उसका टीचर की पत्नी से प्रेम संबंध था। दोनों की वीडियो कॉल पर बात भी होती थी। एसटीएफ ने मुख्य आरोपी चंदन वर्मा को शुक्रवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शादी से पहले ही चंदन वर्मा का टीचर की पत्नी से अफेयर चल रहा था। इसका टीचर को पता चला गया था। 18 अगस्त को यानी 47 दिन पहले टीचर की पत्नी पूनम भारती ने रायबरेली जिले की पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर चंदन से पूछताछ भी की थी। इसके बाद 12 सितंबर को चंदन ने अपना वॉट्सएप बायो चेंज किया था।

एफआईआर के बाद पूनम और चंदन के बीच बातचीत बंद हो गई। इसके बाद चंदन परिवार को परेशान करने लगा। गुरुवार को बुलेट से टीचर के घर पहुंचा। बच्चों को पैसे दिए। इसके बाद पति-पत्नी से उसकी कहासुनी हो गई। इसी बीच उसने पति, पत्नी और बच्चों को गोली मार दी। वारदात के बाद बुलेट छोड़कर फरार हो गया। वारदात के बाद मेडिकल स्टोर संचालक राम मनोहर यादव सबसे पहले मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया- गुरुवार शाम 6.50 बजे का वक्त था। गोली चलने की आवाज आई। फायरिंग की आवाज सुनकर मैं टीचर सुनील के घर की तरफ दौड़ा। इतने में एक और फायरिंग हुई। मैं डर गया। तुरंत घर से 100 मीटर की दूरी पर पुलिस तैनात थी, वहां पर पहुंचा।

आज पांच मरेंगे... वाट्सएप पर यही लगाया था स्टेटस : लखनऊ। अमेठी के शिवरतनगंज में एक शिक्षक व उसके तीन परिजनों की हत्या के मामले में पुलिस आरोपी चंदन वर्मा की तलाश में जुटी हुई है। इस बीच आरोपी चंदन का कथित वाट्सएप स्टेटस वायरल हुआ है, जिसमें उसने वारदात के पहले पांच लोगों की हत्या की बात कही है। शिवरतन गंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात शिक्षक व उसके परिवार के तीन लोगों की सामूहिक हत्या के बाद चारों मृतकों का पोस्टमार्टम देर रात हुआ। दो चिकित्सकों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। दोनों बच्चों का पहले, उसके बाद शिक्षक और उनकी पत्नी का पोस्टमार्टम हुआ। मौके पर सीओ सिटी व दो थानों की पुलिस मौजूद रही। शिक्षक को तीन गोलियां लगीं, जबकि दो गोलियां पत्नी को लगी हैं। एक-एक गोली बच्चों से निकाली गई हैं।

सेना की वर्दी में शराब की तस्करी, गिरफ्तार

न्यू बोंगाईगांव। असम के न्यू बोंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने फर्जी सैनिक को गिरफ्तार किया है, जो सेना की वर्दी पहनकर शराब की तस्करी कर रहा था। जीआरपी ने एक अभियान चलाकर शख्स को धर दबोचा। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान संजीब कुमार के रूप में हुई है। जीआरपी ने उसके पास से तीन सूटकेस बरामद किए, जिसमें कुल 65 बड़ी शराब की बोतलें थीं।

'घड़ी' को लेकर शरद पवार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे : पुणे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में एक बार फिर से चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद उठ खड़ा हो गया है। एनसीपी के अध्यक्ष शरदचंद्र पवार ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोका जाए।

किसानों से जुड़ी 1.01 लाख करोड़ की योजनाएं स्वीकृत

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की कवायद, खाद्य तेल पर राष्ट्रीय मिशन-ऑयलसीड्स को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में आज इन योजनाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार ने ढट राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के लिए 1 लाख 1321 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक की चेन्नई मेट्रो फेज-2 परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के मकसद से सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं। वैष्णव ने बताया कि एक तरह से किसानों की आय से जुड़े लगभग हर बिंदु को 1,01, 321 करोड़ रुपए के कार्यक्रम के तहत कवर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा

कार्यक्रम है जिसके कई घटक हैं। सभी घटकों को कैबिनेट ने अलग-अलग योजनाओं के रूप में मंजूरी दी है। बकौल अश्विनी वैष्णव, अगर कोई राज्य किसी एक योजना से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) लेकर आता है, तो उसे इस योजना के तहत मंजूरी दी जाएगी।

कैबिनेट ने चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण को भी स्वीकृति दी है। इस पर 63,246 करोड़ रुपये की लागत आएगी। दूसरे चरण की कुल लंबाई 119 किलोमीटर होगी। साथ ही कुल 120 स्टेशन होंगे। इस परियोजना में केंद्र और तमिलनाडु सरकार की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इसका निर्माण चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड करेगी। चेन्नई में 2026 में 1.26 करोड़ और 2048 में 1.80 करोड़ जनसंख्या होने का अनुमान है।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट बैठक में सबसे बड़ा फैसला किसानों की आय बढ़ाने और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का है। इसके लिए 'पीएम राष्ट्र कृषि विकास योजना और कृषोन्ति योजना को मंजूरी दी गई है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने कृषि मंत्रालय के तहत संचालित सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) को दो व्यापक योजनाओं में तर्कसंगत बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पीएम-आरकेवीवाई टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देगा जबकि केवाई खाद्य सुरक्षा और कृषि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में सहायता करेगा।

उन्होंने बताया कि दोनों योजनाओं के तहत 9 अलग-अलग योजनाएं हैं। विभिन्न घटकों के कुशल और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सभी घटक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएंगे। ये दोनों योजनाएं राज्यों की ओर से कार्यान्वित की जाती हैं। 1,01,321.61 करोड़ रुपये के कुल प्रस्तावित व्यय में से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के केंद्रीय हिस्से का अनुमानित व्यय 69,088.98 करोड़ रुपये है। साथ ही इसमें राज्यों का हिस्सा 32,232.63 करोड़ रुपये है। इसमें कृषि विकास योजना के लिए 57,074.72 करोड़ रुपये और कृषोन्नति योजना के लिए 44,246.89 करोड़ रुपये शामिल हैं।

हत्या की घटनाओं को लेकर सरकार पर सवाल

इंकलाबी नौजवान सभा ने बिछियां धरनास्थल पर दिया धरना, हत्याओं के खुलासे की उठी मांग

चंदौली। अमेठी में दलित शिक्षक परिवार की सामूहिक हत्या समेत विभिन्न घटनाओं को लेकर इंकलाबी नौजवान सभा ने शुक्रवार को बिछियां धरनास्थल पर धरना दिया। इस दौरान वाराणसी के दादूपुर निवासी नितेश मौर्य की जलाकर हत्या करने के बाद हाथ पैर काट देने की घटना का जिक्र करते हुए योगी सरकार की कानून व्यवस्था कटघरे में खड़ा किया।

इस दौरान इंकलाबी नौजवान सभा प्रदेश अध्यक्ष कामरेड ठाकुर प्रसाद ने कहा कि फर्जी एनकाउंटर में महारत हासिल करने वाली योगी सरकार की पुलिस की कार्यप्रणाली ही अपराधियों का मनोबल बढ़ा रही है यही वजह है की लगातार महिलाओं के साथ छेड़छाड़ बलात्कार तथा हत्या तक की घटनाएं हो रही हैं। साथ ही दलित, पिछड़ों के हत्याओं की प्रदेश में बाढ़ आई हुई है। कहा की रायबरेली की पुलिस दलित शिक्षक सुनील कुमार की पत्नी द्वारा दिए गए छेड़छाड़ के प्रार्थना पत्र पर गंभीरता से कार्यवाही की होती तो चार निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सकती थी जिसमें दो नौनिहाल बच्चे हैं। श्रवण मौर्य ने कहा कि खागा फतेहपुर की प्रिया मौर्य, स्कूल बस के ड्राइवर द्वारा छेड़छाड़ करने की शिकायत पर स्कूल के प्रिंसिपल ने इतना अपमानित की।

उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा इसके लिए प्रधानाचार्य दोषी है और पुलिस उसको बचाने में लगी हुई है। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा जिला सचिव कामरेज रामायण राम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस के अंदर नितेश मौर्य की जलाकर हत्या करने के बाद हाथ पैर काटा जाता है तब भी पुलिस इसे आत्महत्या बनाने की साजिश रच रही है,सोचने वाली बात है की जो व्यक्ति आग में जल गया हो वह अपना हाथ पैर कैसे काट लेगा। शशिकांत सिंह ने कहा कि सीतापुर जिला सचिव कामरेड अर्जुन लाल को जिला बदर करना, लखीमपुर खीरी के पार्टी माले राज्य कमेटी सदस्य कामरेड रामदरस को पुराने मुकदमे का हवाला देकर गिरफ्तार करने तथा पार्टी के चंदौली जिला सचिव कामरेड अनिल पासवान की चंदौली पुलिस द्वारा निगरानी करना इस बात का उदाहरण है।

उन्होंने कहा की भाकपा (माले) दमन का मुकाबला करेगी तथा जरूरत पड़ी तो जेल भरो आंदोलन भी करेगी। धरना स्थल पर नायब तहसीलदार को माननीय राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर किस्मत यादव, योगेंद्र प्रसाद, राकेश मौर्य, प्रमिला मौर्य, श्यामदेई, कुबेर मौर्या, राजेश मौर्य, अच्छेलाल सोनकर, साहित्य आदि उपस्थित रहे।

मिलावटखोरों के खिलाफ जनपद में चलेगा अभियान

चंदौली। डीएम ने आगामी नवरात्रि एवं दशहरा त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों पर विशेष सतर्कता निगरानी रखते हुए सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय कमल निवास त्रिपाठी को निर्देशित किया कि जनपद में सघन अभियान चलाकर नमूना संकलन की कार्यवाही किया जाए।

कहा कि यह अभियान विशेष कर कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, सूखे मेवे, मूंगफली, साबूदाना, रामदाना एवं अन्य फलाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित कराया जाने व हानिकारक रसायनों से कृत्रिम रूप से पकाए जाने वाले फलों के भंडारण व विक्रय को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से चलाया जाए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मुगलसराय कस्बे में सिंघाड़ा आटा, साबूदाना एवं दूध के नमूनों का संकलन कर जांच के लिए प्रेषित किया टीम द्वारा यह भी अभिसूचना एकत्र किया गया कि जनपद में किन-किन स्थानों पर मिलावटी एवं संदिग्ध खाद्य पदार्थ पाए जाने की ज्यादा संभावना है। अपील किया यदि उन्हें जनपद में किसी भी स्थान पर मिलावटी व संदिग्ध खाद्य पदार्थ पाए जाने की सूचना मिलती है तो इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय के मोबाइल नंबर-8887890254 पर तत्काल संपर्क करें।

अनुसूचित जाति के छात्रावासों को तोड़ने की हो रही साजिशः राजेश

चंदौली। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति व जनजाति विकास समिति के पदाधिकारियों की बैठक शुक्रवार को कैंप कार्यालय में हुई। कांग्रेस के पूर्व महासचिव व प्रांतीय अध्यक्ष राजेश चौधरी ने कहा कि समाज कल्याण विभाग की ओर से अनुदानित व निजी प्रबंध तंत्र की ओर से संचालित विभिन्न जनपदों में अनुसूचित जाति के छात्रावासों व पुस्तकालयों की संख्या 260 थी। इसमें पूर्व में छात्रावास के कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण 128 छात्रावास बंद हो गए। वर्तमान में छात्रावासों व पुस्तकालयों को आवर्तक अनुदान धनराशि जारी नहीं की जा रही है। इससे छात्रों का भविष्य अधर में है। आरोप लगाया कि छात्रावासों व पुस्तकालयों को तोड़ने की साजिश की जा रही है। यह संविधान का अपमान है। बैठक में ओमप्रकाश, अरविंद कुमार, अभिषेक कुमार, रामदुलारे कन्नौजिया आदि उपस्थित थे।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी ट्रेड का प्रशिक्षण संपन्न

चंदौली। नगर के सकलडीहा रोड स्थित केदार धाम वाटिका में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत आयोजित दर्जी ट्रेड प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। इस दौरान जिला उद्योग प्रोत्साहन के सहायक सांख्यिकी अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम समापन हुआ।

मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र कुमार द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित कारीगरों का फीडबैक लिया गया तथा सरकार द्वारा विश्वकर्मा की आर्थिक उन्नति के लिए सरकार द्वारा चलाई गई 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी कारीगरों को स्वरोजगार के लिए उद्योग विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा समाज को आर्थिक मजबूती के लिए व्यापारिक तथा व्यवसायिक व्यवस्था की जानकारी प्रदान की गई तथा रोजगार के लिए विभाग की योजना जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुद्रा ऋण योजना, जिला समन्यक द्वारा प्रशिक्षण की 10 दिवसीय प्रशिक्षण की व्यवहारिक तथा सैद्धांतिक, तकनीकी प्रशिक्षण व ट्रेड वॉर प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान मनोहर, यूपीकॉन की उपस्थित रहे।

संक्षेप समाचार...

छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय का सम्मान बढ़ाया

डीडीयू नगर। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मुख्य परिसर में संसदीय शोध व प्रशिक्षण संस्थान में प्रतिभाग कर वापस आए छात्र छात्राओं का सम्मान प्रबंधक राजेश कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि आप सभी ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करके पं पारसनाथ तिवारी के सपने को साकार किया है। पंडित पारसनाथ का सपना था कि महाविद्यालय के छात्र छात्राओं की आवाज दिल्ली तक जाए। आप सभी ने उनके सपनों को साकार किया है। इस अवसर पर डा अमितेश, रिया श्रीवास्तव, जयशंकर, सुनील, राहुल, रंजीत के साथ आँचल, ममता व अनुराग उपस्थित रहे।

बढ़ती महंगाई की मार, चटनी को मोहताज हुई जनता

धीना। स्थानीय कस्बा कमालपुर आने वाले ग्राहकों के मुख से बड़े सबसे आवाज सुनाई देने लगी है। मांगी सब्जी दाल चटनी भी हो गई मोहताज स्थानीय कस्बा में देखा जाए तो सब्जी दुकानदार महंगाई की मार से दुकानों पर काम चलाओ सब्जी रखकर किसी तरह से अपनी रोजी-रोटी चल रहे हैं सच तो यह भी है कि इस समय मार्केट में टमाटर और फूलगोभी 120 प्रति किलो, परवल 80 किलो, लहसुन 300 प्रति किलो हरी धनिया का भी रेट आसमान छू रहा है। बोड़ा, कोर भिंडी, बैगन, बैगन आदि सब्जियों 40-50 रुपए से काम नहीं बिक रही है वहीं दाल को देखा जाए तो अरहर की 160 से 170 रुपए किलो चना दाल 100 आटा, 35 से 40 किलो खुले आम बाजार में बिक रहा है नमक भी 50 किलो का हो गया है तेल मसाले किराने के समान को की कीमतों तो आसमान छू रहे हैं अब बच्चा कौन सा सस्ता सामान जिससे लोग अपना पेट पाल सके। सामान्य इंसान महंगाई की मार ना बर्दाश्त कर चटनी बनाकर रोटी भारत के साथ खाकर जीवनयापन कर ले रहा था पर आज वह अभी मोहताज हो गई है। बढ़ती महंगाई से हर इंसान चिल्ला रहा है।

जमीन अधिग्रहण के बाद नहीं मिला मुआवजा

नियामताबाद। क्षेत्र के रेवसा गांव के सैकड़ों किसानों की जमीन अधिग्रहण कर भारतमाला रोड परियोजना का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए अधिकारियों द्वारा किसानों की जमीन भी चिन्हित कर अधिग्रहण कर ली गई है। लेकिन अभी तक लगभग 100 किसानों की जमीन अधिग्रहण के बावजूद भी मुआवजा नहीं मिल पाया है। जिसको लेकर किसानों में भारी रोष व्याप्त है। क्षेत्र के रेवसा गांव से भारतमाला परियोजना के तहत सड़क निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए अधिकारियों द्वारा जमीन अधिग्रहण भी करने का सिलसिला गर्मी से ही शुरू कर दिया गया है। रेवसा गांव के सैकड़ो किसानो की जमीन मशीन द्वारा जुताई कर अधिग्रहण भी कर लिया गया। बहुत से किसानों का मुआवजा भी दिया गया। लेकिन अभी तक लगभग 100 किसानों का मुआवजा अधिग्रहण के बाद भी नहीं मिल पाया है। किसानों का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा मेरे जमीन पर ना तो खेती करने दिया जा रहा है। अब नहीं मुआवजा दिया जा रहा है। जिसको लेकर हम लोग आर्थिक तंगी का दंस झेलने को मजबूर है। इसको लेकर किसान अजय कुमार, अंबिका सिंह, परमात्मा, गंगाराम, नंदलाल, बेचन, राम आशीष, अजय यादव, बबलू, सत्येंद्र भारती, मदन, आकाश सहित तमाम किसानों ने आक्रोश व्यक्त किया। चेताया कि अगर मुआवजा उपलब्ध नहीं कराया गया तो हम किस सड़क पर उतरने के बाध्य होंगे।

रामलीलाः कमालपुर में सीता स्वयंवर का हुआ मंचन

कमालपुर। कस्बा में आयोजित हो रही रामलीला में सातवें दिन धनुष यज्ञ का मंचन किया गया, जिसमें भगवान श्रीराम ने शिव के धनुष को तोड़ दिया और इसके बाद मां सीता ने उनके गले में वरमाला डाल दी। रामलीला के प्रसंग में गुरुवार की रात्रि को मिथिला के राजा जनक अपनी पुत्री सीता के ब्याह के लिए धनुष यज्ञ का आयोजन किए थे। जिसमें मुनि विश्वामित्र के साथ श्रीराम-लक्ष्मण पहुंचे। यज्ञशाला में

धनुष को भंग करने के लिए कई राज्यों के बड़े-बड़े वीर योद्धा राजकुमार पहुंचे, लेकिन शिव के धनुष को उठा न सके। मुनिवर की आज्ञा से भगवान श्रीराम ने धनुष को उठाकर तोड़ दिया। जिसके बाद मां सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वरमाला डाल दी। सीता ने श्रीराम के गले में वरमाला डाला तो पूरा पंडाल श्री राम के जयघोष से गूंज उठा। जिस पर मधुर संगीत के साथ सुंदर नृत्य शुरू हो गया और रामलीला संपन्न हुई। रामलीला में सबसे आकर्षण का केंद्र लक्ष्मण जी का पाठ रहा जिसकी भूमिका श्रवण दुबे निभा रहे थे। जिसमें तरह-तरह के कलाकारों ने अपनी भूमिका का अच्छी तरह से निर्वहन किया। इस दौरान रामलीला समिति के अध्यक्ष सुदामा जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद रस्तोगी, कोषाध्यक्ष संदीप जयसवाल, सजीवन मिश्रा, वसंत्र मिश्रा, रविंद्र नाथ दुबे, ओमकार रस्तोगी, संजय रस्तोगी, विशाल चौरसिया, सत्यम रस्तोगी, नवरंग गुप्ता, रितेश पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी करने वाला अरेस्ट

डीडीयू नगर। वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी करने वाले आरोपी हुसैन उर्फ शाहिद को एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई के लिए रेलवे सुरक्षा बल व्यासनगर सुपुर्द कर दिया गया। व्यासनगर और काशी स्टेशन के पास वंदे भारत एक्सप्रेस पर हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं के संबंध में रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज

किया गया था। पहले इस घटना में शामिल आरोपी पवन कुमार साहनी को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान पवन ने खुलासा किया कि इस वारदात में हुसैन उर्फ शाहिद नाम का व्यक्ति भी शामिल है। एटीएस ने अपने स्रोतों के माध्यम से जानकारी जुटाई और पाया कि हुसैन उर्फ शाहिद वर्तमान में वह चौरहट, पुरानी बस्ती पड़ाव, थाना मुगलसराय में किराए के मकान में रह रहा था। सूचना को पुख्ता कर एटीएस फील्ड यूनिट ने उसे पूछताछ के लिए वाराणसी लाया। पूछताछ में हुसैन ने बताया कि उनके गिरोह का मुख्य उद्देश्य वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी कर ट्रेन की स्पीड कम कराना था, ताकि गाड़ी धीमी होने पर वे गेट और खिड़कियों के पास बैठे यात्रियों से मोबाइल और अन्य कीमती सामान छीन सके।

लापता युवक का मिला शव, हत्या की आशंका

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के बिछिया गांव के समीप शुक्रवार को रेलवे ट्रैक पर 19 वर्षीय एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर जुटे आस पास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने तत्काल युवक के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्यवाई में जुट गए। वहीं युवक के परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। बताते हैं कि सैयदराजा थाना क्षेत्र के सुण्डेहरा गांव निवासी राम दुलारे चौहान का 19 वर्षीय पुत्र रमेश उर्फ कल्लू सैयदराजा बाजार में कुछ सामान खरीदने गया था। देर रात घर नहीं लौटने पर परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए युवक की खोजबीन करने लगे शुक्रवार को रमेश का शव बिछिया गांव के रेलवे ट्रैक पर मिला, जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने सदर

कोतवाली पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने तत्काल युवक के शव को कब्जे में कर जांच पड़ताल किया। जिसकी शिनाख्त रमेश उर्फ कल्लू चौहान के रूप में हुई। पुलिस ने तत्काल युवक के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम में लिए जिला अस्पताल भेज दिया। युवक के मौत की खब सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इस बाबत सीओ सदर राजेश कुमार राय ने बताया कि बिछिया रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है। जिसको कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जाँच की जा रही है।

नेटवर्क समस्या से जूझ रहे लोगों का हंगामा

इलिया। सैदूपुर में जीओ तथा एयरटेल की नेटवर्किंग समस्या से जूझ रहे उपभोक्ताओं का धैर्य शुक्रवार को जवाब दे दिया। टावर पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं ने वहां मौजूद कर्मचारी को बंधक बनाकर जमकर प्रदर्शन करते हुए धरना दिया।

घंटों बाद चौकी इंचार्ज ने व्यापारी नेता से अधिकारियों का वार्ता कराकर धरना समाप्त कराया। कस्बा में एक ही टावर पर एयरटेल और जिओ का टावर लगा हुआ है। शुरू में एयरटेल और जिओ का जो क्षमता रहा वह आज भी बरकरार है, जबकि कनेक्शन पिछले वर्षों के मुकाबले काफी बढ़ चुका है यहां तक की उपभोक्ताओं को दिलासा दिलाकर जिओ फाइबर के 5जी का कनेक्शन भी दे दिया गया है जबकि सुविधाएं आज भी 4जी की है। ऐसी स्थिति में इंटरनेट सुविधाएं पुरी तरह धवस्त हो गई हैं। वायस काल करने पर आवाज भी कट-कट कर आता है बार-बार अधिकारियों से वार्ता के

बाद भी समस्या का सामाधन नहीं हुआ। जिस पर व्यापारियों तथा उपभोक्ताओं को आंदोलन करना पड़ा। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी परमानंद तिवारी मौके पर पहुंच गये और प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं तथा व्यापरियों को समझा बुझाकर व्यापारी नेता अशोक केशरी से जीओ तथा एयरटेल के अधिकारियों से वार्ता कराकर 15 दिन के अंदर नेटवर्किंग व्यवस्था सुचारू रूप से चालु किए जाने का अश्वासन पर धरना समाप्त कराया। इस अवसर पर व्यापारी नेता अशोक केशरी, शमशेर चौहान, अक्षय वर्मा, मनोज , प्रिंस गुप्ता, कृष्णा वर्मा पंकज केशरी, सुमित मौर्य, लालू मौर्य सहित भारी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

फुलवारी लीला का हुआ मंचन

चहनियां। श्री रामलीला समिति रामगढ़ के तत्वावधान में आयोजित रामलीला मंचन के दूसरे दिन जनकपुर बाजार और फुलवारी लीला के प्रसंग का मंचन हुआ। राजाजनक के आमंत्रण पर विश्वामित्र के साथ श्रीराम लक्ष्मण मिथिला पहुंचे प्रभु रामजी अपने अनुज लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र से आज्ञा लेकर जनकपुर बाजार में घूमने निकल पढ़ते हैं। इस सुंदर श्याम गौर जोड़ी को देखकर वहां के निवासी भाव विह्वल हो जाते हैं वहीं दर्शक भी प्रभु लीला में डूबे नजर आए श्रीराम लक्ष्मण टहलते टहलते पूरे जनकपुर बाजार का अवलोकन करते हैं। दुकानदार हर्षित होकर अपने-अपने सामान की खूबियां बताते हैं। जनकपुर वासी भगवान श्रीराम व लक्ष्मण का जोरदार अगवानी करके स्वागत करते हैं, दोनों भाई घूमते घूमते जनकपुर की पुष्प वाटिका में पहुंच जाते हैं और गुरु की पूजा के लिए कुछ पुष्प चुनने लगते हैं, तब वहां का माली उनसे कहता है कि प्रभु आप कष्ट न करिए मैं अपने हाथों से पुष्प चुनकर देता हूं।

उसी समय जनक नंदिनी जानकी सहेलियों के साथ पुष्प वाटिका में प्रवेश करती हैं जानकी की प्रिय सखी दोनों जोड़ियां को देखकर भाव ठकल हो जाती हैं तभी जानकी की भी नजर प्रभु श्रीराम पर पड़ती है और वह भी उन्हें देखकर पलके झपकाना भूल जाती हैं। यह लीला मंचन दर्शकों को खूब भाया अगले दिन में सहेलियां जानकी को पूजन के लिए गौरी माता के मंदिर में ले जाती हैं पूजन के बाद मां गौरी उन्हें मनपसंद वर

प्राप्त होने का वरदान देती हैं रामलीला का मंचन देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ जुटी रही। फुलवारी लीला की शुरूआत मुख्य अतिथि बाबा कीनाराम इंटर कालेज के प्रबंधक प्रभुनारायण सिंह लल्ला, प्रबंधक रणधीर सिंह, प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह बबलू, अनुज यादव, कृष्णगोपाल पाण्डेय, प्रबंधक हरिहर यादव, विनोद यादव, सीताराम यादव द्वारा प्रभु श्रीराम की आरती करके की गई। रामलीला मन से प्रभु नारायण सिंह लाला ने कहा आधुनिक युग में जिस तरह रामगढ़ की जनता रामलीला मंचन कार्यक्रम को जी रोमांस से देखकर वह सुन रही है तारीफ होगी। इस दौरान विजय शंकर पांडेय, सोमनाथ पांडेय, राधेश्याम पांडेय, लूशन सिंह, शिवदत्त पांडेय, संतोष मिश्रा, राजेश कुशवाहा, चंद्रमा कुशवाहा, रोहित गुप्ता, विकास सिंह विदेशी, डॉ बंगाली, सुशांत सिंह, नवीन सिंह उमेश कुशवाहा खदेरन पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन पूजीं गई ब्रह्मचारिणी

डीडीयू नगर। शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन शुक्रवार को माता के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गई। देवी मंदिरों पर दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। वहीं देवी मंदिर माता के जयकारे से गुंजायमान रहा। शाम के वक्त माता की भव्य आरती उतारी गई। वहीं मंदिरों में महिलाओं ने ढोल, मजिरा हारमोनियम पर माता के गीत सुनाए। नगर के जीटी रोड स्थित प्राचीन मां काली मंदिर, जीटी रोड स्थित दुर्गा मंदिर, शीतला माता मंदिर, रविनगर, नई बस्ती, कैलाशपुरी, शाहकुटी, कैथापुर, परशुरामपुर, अमोधपुर, गल्ला मंडी, एलबीएस कटरा स्थित संकट हरण दरबार सहित अन्य देवी मंदिरों में सूर्योदय से पहले से ही भक्त पहुंचने लगे। इसी तरह रेलवे के आरपीएफ कॉलोनी स्थित काली मंदिर, गया कॉलोनी, प्लांट डिपो, डीजल कॉलोनी, लोको कॉलोनी, यूरोपियन कॉलोनी सहित सभी मंदिरों पर भी भक्तों ने पहुंच कर मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की।

दस किलो गांजे के साथ पेशेवर दो तस्कर बंदी

चकिया। कोतवाली पुलिस ने पेशेवर गांजा तस्कर और उसके एक साथी को गुरुवार की देर शाम जलेबिया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। उक्त तस्कर को वाराणसी की पुलिस कई दिनों से खोज रही थी जिसे गुरुवार की देश रात कोतवाली पुलिस ने घर दबोचा और एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी अतुल प्रजापति ने बताया कि मुखबिर खास से सूचना मिली कि दो बाइक सवार बिहार से गांजा लेकर आ रहे हैं सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने गुरुवार की देर सायं चकिया-नौगढ़ मार्ग पर जलेबिया मोड़ के पास से चेकिंग शुरू कर दी। सामने से तेज रफ्तार से आ रही बाइक सवार दो संदिग्ध युवक पीठ पर नीले रंग का बैग लिए हुए आ रहे थे जब कोतवाली पुलिस के जवान रोकने का प्रयास किये तो वह उन्हें देखकर गाड़ी घूमा कर भागने लगे। कोतवाली पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया और कोतवाली ले आई जब उनके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें 10 किलो 473 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख रुपए के आसपास है। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि बिहार के भालू बुढ़न से सस्ते दामों पर गांजे को खरीद कर उसकी पुड़िया बनाकर बनारस के घाटों पर बेचते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक सतबीर डबास निवासी अहमदगढ़ थाना झिंझाना जिला शामली और खुर्शीद अंसारी निवासी छेतरी थाना मिजार्पुर वाराणसी के निवासी हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में रामपुर चौकी इंचार्ज अभिनव गुप्ता कांस्टेबल दीपचंद गिरी जल भरत यादव सूरज कुमार सहित पुलिस के जवान मौजूद रहे।

दस सूत्रीय मांगों के समर्थन में रोजगार सेवकों ने भरी हुंकार

चंदौली। मुख्यालय स्थित बिछिया धरनास्थल पर शुक्रवार को ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यकताओं ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना दिया। इसके साथ ही नगर में जुलूस निकालकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तत्पश्चात उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर उपजिलाधिकारी न्यायिक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल ने कहा कि ग्राम पंचायतों में सहायक सचिव व विकास सहायक का पद सृजित कर ग्राम रोजगार सेवकों को समायोजित करें। उनको राज्य कर्मचारी का दर्जा दे। सरकार द्वारा लखनऊ में की गई घोषणा में रोजगार सेवकों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मानव संसाधन नीति (एआर पॉलिसी) का उचित निर्धारण कराया जाए। जिसमें रोजगार सेवकों के लिए 24000 प्रतिमाह की व्यवस्था हो, वहीं मनरेगा के कार्यों में पारदर्शिता के लिए ग्राम रोजगार सेवक को पद से हटाने के लिए ग्राम सभा सदस्यों के दो तिहाई बहुमत के आधार पर प्रस्ताव की व्यवस्था के साथ मासिक मानदेय भुगतान के लिए पृथक बजट की व्यवस्था का प्रावधान किया जाए, अन्यथा मानदेय भुगतान सामग्री अंश से किया जाए। कहा कि ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों के भुगतान का डोंगल प्रथम हस्ताक्षरकर्ता के रूप में ग्राम रोजगार सेवकों को दिया जाए। रोजगार सेवकों के जॉब कार्ड में अन्य कार्य जोड़ते हुए विभागीय कर्मी घोषित किया जाए। कहा कि मनरेगा कार्यो की बेहतर मॉनिटरिंग के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एंड्रॉयड मोबाइल फोन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उसमें डेटा रिचार्ज कराया जाए। विगत वर्ष पूर्व घोषणा के क्रम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की भांति 20 दिन का आकस्मिक अवकाश के साथ चिकित्सा के लिए 12 दिनों की व्यवस्था का आदेश जारी किया जाए। ग्राम रोजगार सेवकों का न्याय पंचायत स्तर पर स्थानांतरण की व्यवस्था लागू किया जाए।

'टैबलेट से तकनीकी कौशल अर्जित करें'

मैक्सवेल पैरामेडिकल कॉलेज में आयुष मंत्री ने विद्यार्थियों में बांटा टैबलेट

चंदौली। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डा. दयाशंकर मिश्र दयालु शुक्रवार को जनपद दौरे पर रहे। इस दौरान वे जगदीशसराय स्थित मैक्सवेल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित टैबलेट वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कालेज से पासआउट विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर के किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि टैबलेट वितरण योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक शामिल है।

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए एवं होनहार छात्र छात्राओं को तकनीकी रूप से दक्ष एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा निःशुल्क टैबलेट वितरित कराया जा रहा हैं। यह

उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। कहा कि छात्र-छात्राएं टैबलेट का सही सदुपयोग कर तकनीकी ज्ञान अर्जित कर कौशल का विकास कर अपना व देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कहा कि आज आईटी सेक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत की मेधा का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। ये सभी बच्चे इस टैबलेट के माध्यम से ज्ञान और तकनीक का उपयोग कर अपने भविष्य के साथ देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने सभी छात्रों से इसका उपयोग सही दिशा में करने का आग्रह किया।इसके साथ ही मा.मंत्री ने सेवा स्वच्छता पखवाड़ा के दृष्टिगत सभी लोगों से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की। मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने कहा कि इस योजना से जरूरतमंद परिवारों के उन बच्चों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा, जो तकनीकी की पढ़ाई करते हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने एवं एवं शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में यह योजना बहुत कारगर होगी।

सभी बच्चे इसका सदुपयोग करते हुए अपने भविष्य के साथ देश के भविष्य को उज्जवल बनाएंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. केएन पांडेय ने राज्यमंत्री एवं विधायक मुगलसराय को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं मोमेंटो भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान कुल 130 छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिया गया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट की प्राचार्य आर प्रमिला, मैक्सवेल इंस्टीट्यूट में निदेशक केएन पांडेय, आयुष मंत्री के पीआरओ गौरव राठी, जिला होम्योपैथी अधिकारी डीपी यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं लाभार्थी छात्र छात्राएं अंजू, सपना मिश्र, अमित यादव, श्रुति तिवारी, शाहीन परवीन, शारदा विश्वकर्मा, प्रिंस भारती, जागृति, श्वेता आदि मौजूद रहे।

अडिग है आस्था, जल्पा और कल्पा की दे दी गई थी बलि

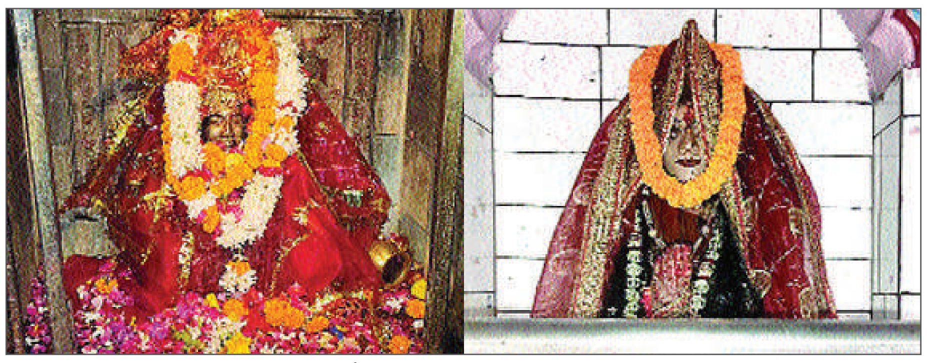

सिकंदरपुर। जनश्रुतियों के अनुसार सदियों पूर्व नगर के पश्चिम दिशा में सावर्ण गोत्र के ब्राह्मणों की एक बस्ती थी। इस बस्ती के ब्राह्मण विद्वान और संघर्षशील डयक्तित्व के थे। इसी बस्ती के एक ब्राह्मण की कन्या का नाम जल्पा था। 14वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जब दिल्ली का बादशाह सिकंदर लोदी था तो उसके निर्देश पर नगर के दक्षिण पूर्वी भाग में एक किले का निर्माण कराया जा रहा था। बताया जाता है कि दिन में मजदूर किले की दीवार निर्मित करते थे और रात में सभी दीवारें स्वतः ढह जाती थी।

यह क्रम कई दिनों तक चला। बाद में लोगों ने इसके पीछे देवी प्रकोप की आशंका जताई। जब बादशाह को इसकी सूचना दी गई तो उन्होंने इस संबंध में अपने खास लोगों से चर्चा कर उसका हल ढूंढने के लिए कहा। जब कई दिनों तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला तो विवश होकर सावर्ण गोत्र के एक विद्वान ज्योतिषी को सेवाएं ली गई। ज्योतिषी ने निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद अपनी विद्या के माध्यम से घोषित किया कि जब तक एक ब्राम्हण और शूद्र कुंवारी कन्याओं की बलि नहीं दी जाएगी, तब तक निर्माण की बाधाएं दूर नहीं होगी। बादशाह के निर्देश पर कुंवारी कन्याओं की तलाश शुरू की गई। इसी बस्ती से ब्राह्मण कन्या जल्पा और शूद्र कन्या कल्पा लायी गयी। कन्याओं के लिए उनके वजन के बराबर सोना तोल कर उनके परिजनों को दिया गया। बाद में सबसे पहले जल्पा को एक पालकी में बैठाकर बलि स्थान पर लाया गया। इसके पूर्व किले की पश्चिमी दीवार के पास जल्पा तथा पूर्वी दीवार के पास कल्पा को बलि देने के लिए गड्डा खोदकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई थी। जल्पा को मिष्ठान, दूध और लाल चुनरी प्रदान की गई। उस समय तक जल्पा को वास्तविकता का पता नहीं था। जब बलि हेतु जीवित गड्ढे में बैठाया गया तो वास्तविकता का ज्ञान होते ही उन्होंने क्रोधित होकर श्राप दिया कि सावर्ण गोत्र के ब्राह्मणों में न कोई विद्वान होगा और ना ही किसी को ज्योतिष का ज्ञान हो सकेगा। उन्होंने पालकी ढोने वाले गोंड जाति के कहारों को श्राप दिया कि वह जीवन भर उनकी सेवा करते रहेंगे। अन्यथा उनके वंश का नाश हो जाएगा।

उन्होंने यह आदेश भी दिया कि कभी भी उनकी प्रतिमा नहीं बनाई जाएगी। जो भी प्रतिमा बनाने की धृष्टता करेगा, वह कुष्ठ रोगी हो जाएगा। बाद में गड्ढे में बैठी जल्पा को कुम्हार के चाक से दबाकर बलि दे दी गई। परंपरा है कि सावर्ण गोत्र के ब्राह्मणों में विवाह के बाद आई नववधु द्वारा पहले जल्पा मंदिर में पूजा कर उन्हें लाल चुनरी चढ़ाई जाती है।

ऐसा भी सुना जाता है कि निर्देश का उल्लंघन कर कुछ लोग एक बार जल्पा जी की प्रतिमा का निर्माण करने लगे। निर्माण के समय इतनी बाधाएं झेलनी पड़ी कि अर्धनिर्मित प्रतिमा को विवश होकर सरयू नदी में प्रवाहित करना पड़ा।

पौराणिक देवी नहीं, बल्कि सामान्य बालिका थीं जल्पा

सिकंदरपुर। हिंदू धर्मावलंबियों की आस्था का प्रतीक सिकंदरपुर का मां जल्पा मंदिर खुद में कई ऐतिहासिक पहलुओं को समेटे हुए है। यह मंदिर एक बालिका जल्पा के जीवन गाथा का जीवंत प्रतीक है, जो अपने त्याग और उत्सर्ग के कारण पौराणिक देवी के समकक्ष स्थान बनाने में सफल हुई। मां जल्पा के बिना सिकंदरपुरवासियों का जीवन क्रम अधूरा है। नगर से बाहर जाते अथवा आते समय मां के दरबार में माथा टेकना यहां के नागरिकों की दिनचर्या में शुमार है। जल्पा मंदिर अपने आपमें इतिहास समेटे हुए है। जल्पा देवी कोई पौराणिक देवी नहीं, बल्कि मध्य युग के राजनीतिक क्रूरता की शिकार एक सामान्य बालिका रही। वह अपने बलिदान से हिंदुओं की भावनाओं को उद्देलित कर देवी बन गई। दैनिक जीवन में नए कार्यों के शुभारंभ के पूर्व मां का दर्शन-पूजन कर विभिन्न कार्य सिद्धि के लिए प्रार्थना की जाती है। वरयात्रा पहले मां का दर्शन कर उनके मौन आशीर्वाद की कामना से आरंभ होती है तो शवयात्रा भी मां के दरवाजे से ही आरंभ होती है।

सीएसपी संचालक से तमंचे के बल पर 1.52 लाख की लूट

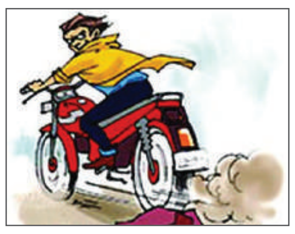

बेल्थरारोड। उभांव थाना क्षेत्र के ग्राम भीटा भुवारी सिंचाई नहर के समीप गुरुवार की शाम करीब छह बजे विजय प्रताप यादव सीएसपी संचालक से तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने तमंचे के बल पर 1,52,000 रुपये की लूट किया और मौके से फरार हो गये। घटना की खबर मिलते ही उभांव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। लूट की घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर भी घटनास्थल पर पहुंच गए। सीएसपी संचालक विजय प्रताप यादव की तहरीर पर तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने लूट का मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश में सक्रिय हो गई है। जानकारी के अनुसार चक महमुद निवासी विजय प्रताप यादव पुत्र श्रीनाथ यादव हल्दीरामपुर चट्टी पर सीएसपी चलाता है। वह प्रतिदिन की भांति गुरुवार की शाम को अपना सीएसपी बन्द करके पिट्ठु बैग में 1,52,000 (एक लाख बावन हजार रुपया) रखकर बाइक से घर आ रहा था। वह अभी भीटा भुवारी नहर के पास पहुंचा था कि बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाश उसकी बाइक रोक कर उसकी कनपटी पर तमंचा सटाकर रुपये से भरा बैग छीनकर भाग निकले। सीएसपी संचालक विजय प्रताप यादव ने तत्काल इसकी सूचना 112 नम्बर डायल और उभांव पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर कर छानबीन जुट गई। सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक भी घटनास्थल पर पहुंचे और मातहतो को त्वरित कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिया।

संक्षेप समाचार...

पीएम आवास को लेकर ग्रामीणों को दी गई जानकारी

सेवराई। तहसील के विकास खंड भदौरा अंतर्गत गहमर गांव के पंचायत भवन पर शुक्रवार को ग्राम प्रधान गहमर बलवंत सिंह बाला की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए। विकासखंड भदौरा से आये अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे- प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, किसान सम्माननिधि, आयुष्मान कार्ड, किसानों के लिए खाद बीज आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दिए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्या से अवगत कराया जिसका तत्काल निराकरण किया गया। आवास के विषय में सचिव नवीन यादव ने बताया कि आवास की सूची तैयार की जा रही है जो भी पात्र लोग अपना नाम अंकित करना चाहते हैं ग्राम प्रधान या पंचायत भवन पर पहुंचकर अपना नाम दर्ज करा दें। शासन के आदेश के बाद सर्वे के उपरांत पात्र व्यक्तियों को आवास उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बलवंत सिंह ‶बाला‶ के अलावा सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा हरि नारायण बिंद, सचिव नवीन यादव, रोजगार सेवक नंदा राजभर, पंचायत सहायक छोटेलाल, श्याम नारायण, अशोक, कंचन, मीना आदि लोग उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

अग्रसेन ने की थी समाजवादी साम्राज्य की स्थापना

गाजीपुर। अग्रसेन पब्लिक स्कूल, अंधऊँ के प्रांगण में महाराजा अग्रसेन की जयंती पूरे उत्साह एवं हर्ष के साथ मनाया गया। अग्रसेन वंश के जनक महाराजा अग्रसेन की जयन्ती के उपलक्ष्य में विद्यालय को मनोहर लाईटों से सजाया गया तथा संपूर्ण विधि विधान के साथ महाराजा अग्रसेन की चित्र पर फूल माला चढ़ा कर उनके जीवन दर्शन के बारे में चर्चा की गई। संस्था के प्रबंधक रोहित अग्रवाल ने बताया कि सूर्यवंशी महाराज अग्रसेन ने एक संपूर्ण समाजवादी सामराज्य की स्थापना करके विश्व समुदाय के समक्ष नया आदर्श प्रस्तुत किया था। उन्होंने अपनी संपूर्ण सम्पत्ति समाज की भलाई के लिए प्रतिस्थापित कर दिया। महाराजा अग्रसेन के शासनकाल में वैश्य समाज के लोगों को संगठित कर उन्हे सशक्त किया जाता था। एक ईट एक रूपया के आदर्श के माध्यम से उन्होंने समस्त लोगों को सशक्त करने का मार्ग दिखाया। आज भारत के प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी द्वारा देश की आर्थिक उन्नति हेतु चलाये जा रहे अनेक कार्यक्रम जैसे ‶मेक इन इण्डिया, वोकल फार लोकल मुहिम तथा एक जिला एक उत्पाद उन्ही से कही न कही प्रेरित दिखाई पड़ती है। महाराज अग्रसेन के जीवन के तीन मूल आदर्श थे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता और समाजिक समानता जो आज की परिस्थिति में भी प्रासंगिक है। इस अवसर पर विद्यालय में मेंहदी प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार से प्रवीण कुमार राय, धमेन्द्र, प्रीती, अग्रिका शुक्ला एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन विकास पटेल ने किया।

मनिहारी-जखनियां फददूपुर मार्ग का होगा कायाकल्प

मनिहारी। जखनियां विधानसभा क्षेत्र के विधायक बेदी राम के प्रयास से मनिहारी-जखनियां-फद्दोपुर मार्ग का अब कायाकल्प होगा। विधानसभा में मुद्दा उठाने के बाद शासन से मार्ग के उच्चीकरण व चौरीकरण के प्रस्ताव पर मुहार लगा दी है। इसके लिए 31 करोड़ 62 लाख 64 हजार रुपये स्वीकृत हो गया है। मरम्मत की जानकारी होने से क्षेत्र के लोगों में हर्ष का माहौल है। मनिहारी-जखनियां-फद्दोपुर मार्ग आजमगढ़ जिले से जोड़ता है। करीब दो दशक से इस मार्ग की दशा ऐसी है कि आवागमन करने से लोग परहेज करते हैं। मार्ग की मरम्मत के लिए ग्रामीणों द्वारा कई बार प्रदर्शन किया गया। लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। कुछ माह पूर्व क्षेत्र के लोग विधायक बेदीराम से मिलकर मार्ग की मरम्मत के लिए गुहार लगाई। विधायक ने आश्वासन देने के बाद विधानसभा में नियम 51 के तहत प्रश्न उठाया था। बताया था कि जबसे जखनियां तहसील बनी है, उक्त मार्ग डबल लेन से नहीं जुड़ सका है। जबकि इस मार्ग से तहसील व ब्लाक मुख्यालय, रेलवे स्टेशन, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पशु चिकित्सालय, ग्राम न्यायालय, प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ व भुड़कुड़ा मठ पर लोग इसी मार्ग से जाते हैं। मार्ग का चौड़ीकरण व खराब सड़क होने से जनता को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं सभी सस्याओं को देखते हुए विधायक ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था। विधायक ने बताया कि इसके लिए शासन से 31 करोड़ 62 लाख 64 हजार रुपये स्वीकृत हुआ है।

प्रतियोगिता में दिखे एक से एक प्रतिभाशाली बच्चे

भांवरकोल। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अन्तर्गत ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन ब्लॉक संसाधन केन्द्र भाँवरकोल के प्रांगण में किया गया। विद्यालय स्तर से चयनित प्रत्येक विद्यालय से 3-3 बच्चों ने प्रतिभाग किया और इस प्रकार कुल 111 बच्चे प्रतिभाग किये। क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले समस्त बच्चों को ज्यामेट्री बॉक्स एवं कलाम प्रदान किया गया तथा सम्पूर्ण बच्चों में से 50 अंकों का बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र के माध्यम से 25 उत्कृष्ट बच्चों का चयन किया गया। चयनित 25 बच्चों में 5-5 का ग्रुप बनाकर प्रश्न पूछे गए। जिसमें ग्रुप संख्या 4 को 17 अंक पाकर प्रथम स्थान एवं 15 अंक पाकर ग्रुप संख्या 5 द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।इस अवसर पर राहुल अग्रवाल, मु. आलिम हुसैन, अमित, नीरज राय, सलाहुद्दीन शाह, जयनारायन उपाध्याय, सुरेन्द, अम्बिका राम, राजेश यादव, जयप्रकाश, पंकज, बृजेश, तुलसी प्रसाद, प्रीतू रंजन, फरहत जमाल, उमेश राय आदि रहे।

अंतर्राज्यीय मेंस फुटबॉल महाकुंभ का शुभारंभ

रेवतीपुर। स्थानीय गाँव स्थित ग्रीन पार्क स्टेडियम में पंद्रह दिनों तक चलने वाले 61वें अंतरराज्यीय मेंस फुटबॉल महाकुम्भ का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व मंत्री विजय मिश्रा और विशिष्ट अतिथि अजिताभ राय राहुल ने भूमि पूजन और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान खेले गये उद्घाटन मैच में उसियां ने बक्सर को 3-2 से पराजित कर इस फुटबॉल महाकुम्भ का पहला मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश कर लिया। मैच के शुरूआत से ही दोनों टीमों के मध्य काटें का मैच रहा। मध्यान्तर से पहले मैच के 24 वें मिनट नें बक्सर के अजीत ने गोल कर टीम को शुरूआती बढत दिला दी ।इसके उपरांत मैंच के 38 वें मिनट में बक्सर के ही मनीष ने एक और गोल कर टीम को 2-0 की बढत दिला दी,जो मध्यान्तर होने तक कायम रहा,मध्यांतर के बाद शुरू हुए मुकाबले को अभी कुछ ही देर हुए थे कि मैच के 56 वें मिनट में उसियां के बबलू ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया।

जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता के लिए चयन

रेवतीपुर। राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा के निर्देश पर कक्षा छह से आठ तक के परिषदीय स्कूलों में पढने वाले में छात्र-छात्राओं में विज्ञान,गणित और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उनकी रूची बढाने के उद्देश्य से शुक्रवार को ब्लाक स्तरीय क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित इस क्वीज प्रतियोगिता में 41 उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों के करीब 95 छात्र- छात्राओं ने इसमें प्रतिभाग किया,आयोजित ब्लाक स्तरीय इस क्वीज प्रतियोगिता में 10 छात्र-छात्राओं का चयन जिला स्तरीय क्वीज प्रतियोगिता के लिए किया गया। जिसमें लक्ष्मी गुप्ता प्रथम कक्षा छह,रिमझिम प्रथम कक्षा सात,नेहा कक्षा आठ ने प्रथम स्थान हासिंल किया।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर प्राचार्य ने लिखा पत्र

बलिया। टीडी कालेज में छात्रसंघ चुनाव को लेकर प्राचार्य प्रो. रविन्द्र कुमार मिश्र ने जिलाधिकारी को पत्र लिख कर सत्र 2024-25 हेतु छात्रसंघ चुनाव तिथि निर्धारित करने के संदर्भ में पत्र लिखा है। प्राचार्य ने यह अनुरोध किया है कि मुरली मनोहर टाउन पीजी कालेज बलिया में छात्रसंघ चुनाव हेतु छात्रों का प्रदर्शन हो रहा है और व्यापक के माध्यम से प्रदर्शन एवं आंदोलन की चेतावनी दे रहे है। उन्होंने कहा कि सत्र 2024-25 में प्रथम सेमेस्टर का प्रवेश पूर्ण हो गया है और तृतीय तथा पंचम सेमेस्टर का 90 प्रतिशत प्रवेश भी पूर्ण हो गया है। ऐसी स्थिति में चुनाव की तिथि के लिए 15 अक्टूबर को नामांकन और 24 अक्टूबर को मतदान की तिथि प्रस्तावित करता हूं।

उधर छात्रों का प्रदर्शन डीएम कार्यालय पर होता रहा और प्राचार्य से वार्ता करने के लिए छात्रों का प्रतिनिधि मण्डल कार्यालय में बैठा रहा। अब देखना यह होगा कि प्राचार्य के डिमाण्ड पर जिलाधिकारी चुनाव कराने की अनुमति देते है या नहीं।

गाइडलाइन के अनुसार ही कराएं पूरा काम

प्रधान संगठन व जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

मऊ। डीएम प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को ग्राम प्रधान संगठन एवं जनपद के जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों द्वारा अपने-अपने गांव की समस्याओं से डीएम को अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन हेतु ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत उनके आवेदन पत्रों को संज्ञान में न लेने, शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार उनके कार्यों की जांच न करने, चक मार्गों की पैमाइश में देरी करने, मनरेगा कर्मियों के भुगतान की समस्याओं आदि से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने प्रधानों के प्रकरणों को सुना एवं उसके निस्तारण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पब्लिक चाहती है कि ग्राम प्रधान अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक ढंग से करें एवं शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार कार्य करें। जिलाधिकारी ने समस्त ग्राम प्रधानों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार कार्य करने को कहा तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जितनी भी योजनाएं हैं, जो ग्राम स्तर पर चलाई जाती हैं उन योजनाओ से अपने-अपने ग्राम सभा के पात्र लाभार्थियों को अवश्य लाभ दिलवाए। पुलिस अधीक्षक इलमारन जी ने बैठक में सभी ग्राम प्रधानों का स्वागत किया एवं उन्होंने कहा कि जो भी बड़ी घटनाएं होती हैं पुलिस द्वारा सबसे पहले उस क्षेत्र ग्राम प्रधानों का पूछा जाता है एवं पुलिस प्रक्रिया में उनका सहयोग लिया जाता है। बैठक के दौरान डीसी मनरेगा, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी एवं प्रधान संगठन के अध्यक्ष, सदस्य सहित ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च : मऊ। प्रचलित नवरात्र पर्व एवं आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत जनपद मऊ में शांति/सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के क्रम में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक इलामारन जी. के निर्देशन में थाना मुहम्मदाबाद क्षेत्रान्तर्गत क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद अजय विक्रम के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक मुहम्मदाबाद के साथ महत्वपूर्ण स्थानों, बाजार/ चैराहों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बस स्टैंड एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास फ्लैग मार्च कर आम जनमानस में शांति/ सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया तथा संदिग्ध व्यक्तियों/ वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

चार माह से नहीं मिला वेतन, कैसे मनेगा दशहरा

गाजीपुर। विद्युत मजदूर पंचायत शाखा के मंडल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने शुक्रवार को नवागत अधीक्षण अभियंता को संविदा कर्मियों के बकाया वेतन को लेकर एक ज्ञापन सौपा। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि विगत कई महीनों से विद्युत विभाग के वितरण खंडो में जूनियर इंजीनियर एवं उपखंड अधिकारी उपकेंद्रों के अनुरक्षण एवं परिचालन में लगे संविदा कर्मियों की उपस्थिति विवरण खंड को नहीं भेजा है। ऐसे में सभी संविदा कर्मियों का कई माह से बकाया वेतन का भुगतान नहीं हो पाया है। जिससे संविदा कर्मियों के सामने आर्थिक संकट आ गया है। पारिवारिक जीवन में अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत मजदूर पंचायत शाखा मंडल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि बिजली विभाग के कार्य में लगे संविदा कर्मी दुर्गा पूजा एवं दशहरे जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार पर विद्युत आपूर्ति कराने में पूरी तन्मयता से लगे है।

आस्था अपार, दूसरे दिन भी दर्शन को लगी कतार

आजमगढ़। शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन शुक्रवार को भी भक्तों के मन में मां के प्रति अपार आस्था दिखी। आस्था के सागर में श्रद्धालु डुबकी लगाते रहे। जनपद के विभिन्न देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मां के जयकारे से सभी देवी मंदिर गूंज उठे। चारों तरफ धूप-दीप व अगरबत्ती की खुशबू से वातावरण सुवासित हो उठा। चौक स्थित दक्षिणमुखी देवी दरबार में भोर से ही श्रद्धालुओं की लाइन लग गई थी। मां के जयकारे से माहौल दुर्गामय हो गया है। दक्षिणमुखी देवी दरबार को विद्युत झालरों से सजाया गया है। सुबह से शुरू हुआ पूजन-अर्चन देर रात तक चलता रहा। घंट-घड़ियाल की ध्वनि से माहौल भक्तिमय हो गया है। यहां सुरक्षा के मद्देनजर महिला पुलिस की भी तैनाती की गई है। इसी प्रकार शहर के बड़ादेव मंदिर में मां दुर्गा के दर्शन को लोगों का तांता लगा रहा। यहां पुजारी बारी-बारी से सभी को दर्शन पूजन कराते रहे। शहर के रैदोपुर स्थित दुर्गा मंदिर में भी सुबह से लोग-पूजन अर्चन कर रहे थे। लगभग सभी मंदिरों के बाहर खिलौना-गुब्बारे की दुकानें लगी थीं। भक्तिगीतों से वातावरण देवीमय हो गया है।

नदी में डूबे किशोर का बीस घंटे बाद मिला शव

फूलपुर (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पांडेय का पूरा निवासी इंद्रजीत यादव का नाती अंश यादव 13 वर्ष गुरुवार को कुंवर नदी में नहाते समय गहरे पानी में चला गया था। शुक्रवार को उसका शव बरामद हुआ। अंश यादव अपने नाना के घर रहकर पढ़ाई करता था। वह मूल रूप से पवई थाना क्षेत्र के

मिली जानकारी के अनुसार हमीरपुर खंडोरा गांव का निवासी राजेंद्र यादव का पुत्र था। बृहस्पतिवार को छुट्टी होने के कारण नाना के घर ही था। गांव के बच्चों के साथ भैंस चराने के लिए अपनी एक छोटी बहन के साथ गया था। कुंवरनदी में नहाने लगा। नहाते समय गहरे पानी में चला गया था।महुला चैकी क्षेत्र बाढ़ राहत में लगी एनडीआरएफ टीम के गोताखोरों ने शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे घटना स्थल से पांच सौ मीटर दूर बबूल के पेड़ के पास शव बरामद कर लिया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

हादसे से गम में डूबे कई परिवार

मीरजापुर। जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों को गम में डूबा दिया। वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार की रात यह हादसा हुआ, जिसमें 10 मजदूरों की जान चली गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब मजदूरों से भरा एक ट्रैक्टर तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गया। मृतकों में कई ऐसे युवक शामिल थे जो पढ़ाई कर रहे थे और अपनी आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए मजदूरी करते थे।

17 वर्षीय रोशन जो 9वीं कक्षा का छात्र था वह भी इस हादसे का शिकार हो गया। रोशन के पिता दीनानाथ बेहद दुखी हैं। उन्होंने बताया कि रोशन पढ़ने में बहुत तेज था। कभी-कभी जब काम मिलता था तो वह मजदूरी करने जाता था। हादसे के दिन भी वह मिक्सर मशीन के मालिक के साथ गया था और रात में उसकी मौत की खबर मिली। इसी तरह 11वीं कक्षा में पढ़ने वाले नितिन की भी इस हादसे में मृत्यु हो गई। नितिन के पिता नंदू ने कहा मेरा बेटा पढ़ाई में बहुत अच्छा था। उसे भी काम करने के लिए ले जाया गया था और फिर यह हादसा हो गया। इस हादसे में मरने वालों की उम्र अधिकतर 30 वर्ष से कम थी।

मीरजापुर असंगठित कामगार यूनियन पीड़ितों के साथ : घटना पर शोक व्यक्त करते हुए माकू यूनियन के अध्यक्ष राजेश दुबे एड. ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में 'मिर्जापुर असंगठित कामगार यूनियन' अपने मजदूर भाइयों के पीड़ित परिवार के साथ है। दस मजदूरों का परिवार बिखर गया व 3 अन्य घायल हैं। घटना द्रवित करने वाली है। यूनियन पीड़ित परिवार को कानूनी सहायता दिलाना एवं संबंधित पटल से मुआवजा दिलाने को लेकर निःशुल्क लड़ाई लगेगी।

पूर्व सांसद रमेश चंद्र बिंद ने की आर्थिक मदद : कछवा दुर्घटना में मृतक परिवार को पूर्व सांसद रमेश चंद्र बिंद ने की एक लाख रुपये की आर्थिक मदद करते हुए प्रत्येक मृतक परिवार को दाह संस्कार के लिए 10 -10 हजार रुपये की मदद किया।

मृतक के परिजनों ने चार घंटे तक हाइवे किया जाम : घटना को लेकर परिजनों समेत ग्रामीण राष्ट्रीय राजमार्ग को जामकर मुआवजा की मांग करने लगे। जिसकी सूचना पर एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला, एसडीएम गुलाब चंद्र, सीओ सदर अमर बहादुर, थाना प्रभारी त्रिवेणी लाल सेन समेत भारी संख्या में दलबल के साथ पहुंच गये।

भूस्वामी से लिए जा रहे थे 20 हजार रुपये

एंटी करप्शन टीम ने लेखपाल को रिश्वत लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

डाला। अंश निर्धारण में गड़बड़ी को लेकर चार दिन पूर्व निलंबित किए गए कोटा ग्राम पंचायत के लेखपाल राजकुमार मिश्रा को शुक्रवार को मिजार्पुर से आई एंटी करप्सन टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। ओबरा तहसील से जुड़े लेखपाल की 20 हजार रुपए रिश्वत के साथ हुई गिरफ्तारी ने महकमे में हड़कंप मचा दिया। पकड़े गए लेखपाल को चोपन थाने ले जाकर कड़ी पूछताछ की गई। वहीं, एंटी करप्सन टीम की तरफ से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बताया गया कि पवन कुमार जायसवाल कोटा ग्राम पंचायत एक जमीन को लेकर धारा 80 के तहत कार्रवाई कराने के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि इसको लेकर लेखपाल राजकुमार मिश्रा ने 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। शिकायत की प्राथमिक पड़ताल के बाद एंटी करप्शन मिजार्पुर यूनिट के प्रभारी विनय सिंह, इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार राय की मौजूदगी वाली एक टीम गठित की गई और दोपहर दो बजे के करीब लेखपाल राजकुमार को तेलगुड़वा ग्रीन हट ढाबा के पास से 20 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। इसके बाद आरोपी लेखपाल को टीम लेकर चोपन थाने पहुंची। वहां लगभग दो घंटे तक पूछताछ कर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया गया। प्रभारी निरीक्षक विजय चौरसिया के मुताबिक पवन कुमार पुत्र त्रिभुवन प्रसाद जायसवाल निवासी कोटा की शिकायत पर भ्रष्टाचार निवारण टीम मिजार्पुर की तरफ से लेखपाल राजकुमार मिश्र निवासी कम्हारी थाना राबर्ट्सगंज को रंग हाथ 20 हजार रुपए लेते पकड़ा गया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है। उधर ओबरा एसडीएम विवेक सिंह ने बताया कि अंश निर्धारण में गड़बड़ी की शिकायत को देखते हुए लेखपाल राजकुमार को चार दिन पहले ही निलंबित किया जा चुका है। उनकी जगह, नए लेखपाल कुलदीप की तैनाती की गई है। जल्द ही खतौनी की गड़बड़ी दुरूस्त करा दी जाएगी।

पेशाब कांड के दो फरार आरोपी हुए गिरफ्तार : शक्तिनगर। स्थानीय थाना क्षेत्र में पेशाब कांड के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान कर दिया। बीते दो अक्टूबर को शिवा खरवार ने ट्वीट किया कि मेरे भाई पवन खरवार के साथ मारपीट कर मुंह में जबरन पेशाब करने वाले शक्तिनगर के पेशेवर अपराधी हैं। जिससे बाद सक्रिय हुई पुलिस ने ट्वीट का संज्ञान लेकर वादी पक्ष से वार्ता कर घटना क्रम की जानकारी की। पीड़ित का भाई बताया कि यह घटना 26 सितम्बर के लगभग आठ बजे के बीच की है।

फांसी पर लटकता मिला युवक का शव, परिजनों में कोहराम

जफराबाद। नगर पंचायत के मोहल्ला शेखवाड़ा में स्थित हाजी हरमैन की दरगाह के पास बीती रात घर से थोड़ी दूर दुकान में फांसी पर लटकते हुए युवक की लाश मिली। शरीर व कपड़े के खून लगा मिला। मामला संदिग्ध बताया जा रहा है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ले गई। जांच पड़ताल की जा रही है। उक्त मोहल्ला निवासी शमशेर घर के पास स्थित अपने किराने की दुकान में था। पत्नी सोनी रात करीब 11 बजे देर होने पर खाना लेकर दुकान पर गई। दुकान का शटर अंदर से बंद था। बाहर से आवाज लगाने लगी। अंदर से कोई आवाज नहीं आई। संदेह पर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। शटर तोड़कर देखा तो दुकान की छत में लगे पंखे से काले गमछे में फांसी पर उसका शव लटक रहा था। शर्ट में खून लगे हुए थे। चौकी इंचार्ज मनोज राय मौके पर पहुंचे गए। चौकी इंचार्ज ने बताया कि शमशेर की दिमागी स्थिति ठीक नहीं चल रही थी। चौकी इंचार्ज से कपड़े में लगे खून के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि फांसी के फंदे पर लटकने से कभी-कभी नाक की नस फट जाती है, जिससे ब्लीडिंग हो जाता है। पोस्टमार्टम के बाद सही स्थिति तय हो पाएगी।

एसडीएम ने किया जफराबाद रामलीला का उद्घाटन : जफराबाद। श्री रामलीला समिति के तत्वाधान में कस्बे के एक मैरेज लान में आयोजित रामलीला का मुख्य अतिथि एसडीएम सदर पवन कुमार द्वारा गुरूवार को फीटा काटकर उद्घाटन किया गया। व्यास मंच का पूजन किया गया। मौके पर पूर्व भाजपा विधायक, रामलीला समिति के अध्यक्ष जबिन्दर साहूँ एवं व्यवस्थापक पूर्व चेयरमैन, जयप्रकाश यादव थानाध्यक्ष, प्रवीण सिंह आदि के द्वारा बैकुण्ठवासी श्री लक्ष्मी नारायण की आरती उतार कर रामलीला का श्री गणेश किया गया। अयोध्या से पधारे कलाकारों ने नारद मोह, विश्व मोहिनी स्वयंवर व रावण-जन्म की मनोहारी लीला प्रस्तुत की।

संपादकीय

दुनिया को बेहतर बनाने में शिक्षकों की बड़ी जिम्मेदारी

विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मनाया जाता है। इस दिन आध्यापकों को सामान्य रूप से और कतिपय कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की, उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें अध्यापकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। अतः इसे 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2024 में यह 30वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा। 2024 में इस दिवस की थीम है 'शिक्षकों को सशक्त बनाना, लचीलापन मजबूत करना, स्थिरता का निर्माण करना।' यह थीम इस बात पर जोर देती है कि शिक्षकों को सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण जागरूकता विकसित करने में छात्रों का समर्थन करने के लिए आवश्यक संसाधन और जानकारी देना कितना महत्वपूर्ण है।

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को कांटों पर भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है और शिक्षकों को वह सम्मान मिलना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। विभिन्न देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग तारीखों को मनाया जाता है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित नहीं बनना चाहते। वे चाहते हैं कि ज्ञान का सीधा संबंध उनके अथोर्पार्जन से ही है। जिस ज्ञान से अधिक से अधिक धन और उच्च पद को ग्रहण किया जाए वही शिक्षा कारगर है। पर चिंता का विषय है कि भारत के शिक्षक ही आज इसकी उपेक्षा कर रहे हैं। ऐसा लगता है, मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। अब शिक्षक के लिये शिक्षा एक मिशन न होकर व्यवसाय हो गयी है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं है।

विश्व शिक्षक दिवस उन समर्पित शिक्षकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है जो अगली पीढ़ी के दिमाग को आकार देते हैं और ज्ञान देते हैं। यह विश्वव्यापी उत्सव शिक्षकों को उनके अमूल्य प्रयासों और भावी पीढ़ियों को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के लिए सम्मानित करता है। इस दिन, हम रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करके बच्चों के दिमाग और भविष्य को विकसित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को याद करते हैं। यह उन कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित करता है जिनका वे सामना करते हैं और अपनी विशेषज्ञता को साझा करने और खुद को विकसित करने के लिए जो प्रतिबद्धता दिखाते हैं। अपनी प्रतिबद्धता और जुनून के माध्यम से, शिक्षक न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं बल्कि मूल्यों को भी स्थापित करते हैं, जिससे पूरे समाज पर एक स्थायी प्रभाव पड़ता है।

आज की शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है। विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों का ही दायित्व है कि वे इस महान परंपरा को बेहतर ढंग से समझें और एक अच्छे समाज के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें। विश्व शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। 'गुरु' का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व होता है। समाज में भी उनका अपना एक विशिष्ट स्थान होता है।

वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका भले ही बदली हो, लेकिन उनका महत्व एवं व्यक्तित्व-निर्माण की जिम्मेदारी अधिक प्रासंगिक हुई है। क्योंकि सर्वतोमुखी योग्यता की अभिवृद्धि के बिना युग के साथ चलना और अपने आपको टिकाए रखना अत्यंत कठिन होता है। फौलाद-सा संकल्प और सब कुछ करने का सामर्थ्य ही व्यक्तित्व में निखार ला सकता है। शिक्षक ही ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करते हैं। महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो।

आदर्श अध्यापक के कर्तव्य है कि उनके व्यवहार में नम्रता एवं विनम्रता का भाव हो, उनमें सहजता गंभीरता एवं विद्वता झलकता हो ,उनकी वाणी ऐसी हो कि बच्चे के मन को जीत ले। वैसे तो शिक्षक का पद अत्यंत गरिमा पूर्ण होता है, क्योकिं "जिस प्रकार खेती के लिए बीज, खाद एवं उपकरण के रहते हुए, अगर किसान नहीं हैं, तो सब बेकार है। उसी प्रकार विद्यालय के भवन, शिक्षण सामग्री एवं छात्रों के होते हुए, शिक्षक नहीं हैं तो सब बेकार है।" एक शिल्पकार प्रतिमा बनाने के लिए जैसे पत्थर को कहीं काटता है, कहीं छांटता है, कहीं तल को चिकना करता है, कहीं तराशता है तथा कहीं आवृत को अनावृत करता है, वैसे ही हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है, जो विश्व परिप्रेक्ष्य में उपयोगी है। विश्व शिक्षक दिवस का उद्देश्य मानवता को बढ़ावा देने, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा देने और भविष्य के नेताओं को तैयार करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना है। यह शिक्षकों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर विचार करने और दुनिया भर में शिक्षकों के लिए अधिक धन, तैयारी और सम्मान के लिए दबाव बनाने का अवसर है। आज शिक्षक एवं शिक्षा का महत्व ज्यादा है। जैसाकि महात्मा गांधी ने कहा था-एक स्कूल खुलेगी तो सौ जेलें बंद होंगी। पर आज उल्टा हो रहा है। स्कूलों की संख्या बढ़ने के साथ जेलों के स्थान छोटे पड़ रहे हैं। जेलों की संख्या भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। **– ललित गर्ग**

खराब लिंगानुपात क्यों नहीं बना चुनावी मुद्दा?

प्रियंका सौरभ

सालों पहले एक बार चुनाव के दौरान हरियाणा के एक नेता ने एक सभा में युवाओं से कहा था कि 'वोट दे दो, शादी करा दूंगा'। हालांकि यह काफी हल्के अंदाज में कहा गया था लेकिन दुर्भाग्य से यह मुद्दा आज भी काफी गंभीर है। राजनीति भी एक अजीब चीज है। मुद्दे आते हैं और चर्चा का विषय बन जाते हैं। चुनाव के समय पर अलग समीकरण और अलग मुद्दे प्रचार के दौरान हावी होते हैं। मुद्दे के नाम पर जमकर वोट मांगी जाती है। हरियाणा के इस विधानसभा चुनाव में अग्निवीर योजना, किसान आंदोलन और महिला खिलाड़ियों का मुद्दा राजनीतिक दलों के बीच काफी अहम नजर आ रहा है और चुनाव प्रचार में इन पर बहुत कुछ सुनने को मिल रहा है। लेकिन हरियाणा का देश में सबसे खराब लिंगानुपात चुनाव में कोई मुद्दा नहीं बन पाया है। भारत में साल 2011 में हुई पिछली जनगणना में 0 से 6 साल के बच्चों में एक हजार लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या हरियाणा में सबसे कम 830 थी। राज्य में लिंगानुपात यानी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की कम तादाद पर अलग-अलग मंचों से अक्सर चर्चा होती है लेकिन यह मुद्दा इस बार भी चुनाव में नजर नहीं आया है। यहां चिंता का विषय यह है कि अभी तक के समय काल में ऐसा देखने को नहीं मिला कि असंतुलित हो रहे लिंगानुपात से जुड़े विषय को चुनावी मुद्दे के रूप में लिया गया हो।

जबकि समय की जरूरत यह दिखती है कि आधी आबादी के जन्म लेने से पूर्व जो पुख्ता इंतजाम होने चाहिए, उसे राजनीतिक दलों के मेनिफेस्टो में एक अहम मुद्दे के रूप में स्थान प्रदान किया जाए। चूंकि संविधान ने महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर प्रदान करने का अधिकार दिया है। लिंगानुपात हरियाणा के चुनावों में मुद्दा बनना चाहिए लेकिन यह नहीं बन पाया है। पार्टियां इस मुद्दे को इसलिए नहीं उठाती हैं क्योंकि इससे उनकी पुरानी नाकामी उजागर होगी और अगर किसी पार्टी ने इस मुद्दे पर काम किया है, उसका प्रचार नहीं कर पाना भी उनकी कमी है। हरियाणा में लोग कहते हैं कि लड़कों के लिए दूसरे राज्यों से लड़कियाँ लानी होंगी, लेकिन फिर भी 'बेटी बचाओ' मुहिम और भ्रूण हत्या पर सख्ती ने भी हालात नहीं बदले। हरियाणा की महिलाएं घर और खेतों में काम करने के अलावा खेल के क्षेत्र में काफी आगे हैं। किसान आंदोलन में भी हरियाणा की महिलाओं को काफी सक्रिय देखा गया है। भारत को ओलंपिक और अन्य खेलों में पदक दिलाने वाली कई महिला खिलाड़ियों का ताल्लुक हरियाणा से ही है।

राजनीतिक सक्रियता के मामले में पार्टी कार्यकर्ता बनने और वोटिंग में महिलाएं आगे हैं, लेकिन शीर्ष पदों पर और नीतियां बनाने में अब भी वो काफी पीछे हैं। इसके पीछे हरियाणा के पारंपरिक समाज में पुरुषों के वर्चस्व को बड़ी वजह माना जाता है। भारत के कई इलाकों में गर्भ में बच्चियों की भ्रूण हत्या भी एक बड़ी समस्या रही है। जानकार मानते हैं कि इसके खिलाफ कुछ साल पहले तक टीवी और अखबारों में चेतावनी के ज्यादा विज्ञापन भी आते थे। गर्भ में भ्रूण का लिंग परीक्षण कानूनन अपराध होने के बाद भी इस पर पूरी तरह रोक लगा पाना संभव नहीं हो पाया है। ऐसे अपराध के मामलों में हरियाणा देश के शीर्ष राज्यों में बना हुआ है। खराब लिंगानुपात के कारण हरियाणा में युवाओं की शादी के लिए लड़कियों की कमी की समस्या पुरानी है। यही नहीं राज्य सरकार ने 45 से 60 साल तक के अविवाहित पुरुषों के लिए पेंशन भी शुरू की है। हरियाणा भारत का ऐसा पहला राज्य है, जिसने इस तरह की पेंशन योजना शुरू की है। हरियाणा में लड़के और लड़कियों को अनुपात के हिसाब से देखें तो राज्य में प्रति एक हजार युवाओं में 100 से ज्यादा युवाओं की शादी नहीं हो सकती।

जिसके चलते राज्य में युवाओं की शादी के लिए लड़कियों की कमी भी एक बड़ी समस्या है। यहाँ कई इलाकों में शादी के लिए लड़कियों की तलाश झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में की जाती है। जाहिर है कि लड़कों और लड़कियों की आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। युवाओं के अविवाहित रहने की वजह से आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। बगैर महिलाओं का सशक्तिकरण किए आदर्श समाज की परिकल्पना करना नामुमकिन ही प्रतीत होता है। साल 2019 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कुल 9 महिलाओं ने जीत हासिल की थी। इस लिहाज से राज्य विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व महज 10 फीसदी था। इस बार के चुनावों में भी अब तक हरियाणा में बीजेपी ने कुल 10 और कांग्रेस ने दो लिस्ट में 6 महिलाओं को ही टिकट दिया है। ऐसे में स्पष्ट है कि राजनीतिक दल महिलाओं के प्रति कैसी सोच रखते है? महिलाओं को टिकट तो दूर कि बात राज्य के सभी दलों ने कन्या भ्रूण हत्या जैसे संगीन मुद्दे को छुआ तक नहीं। विधान सभा में महिलाओं की संख्या बढ़ाने से पहले कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर विषय को चुनावी मुद्दे के रुप में शामिल किया जाए तो वह सीधे रुप से महिला सशक्तिकरण का काम करेगा। अगर ऐसा होता है तो उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

राज्य के सभी दल चुनाव के दौरान अवश्य ही इस मुद्दे को गंभीरता से आमजनता के समक्ष उठाएं। यह मुद्दा काफी गंभीर है और सीधे रुप से सामाजिक ताने-बाने पर असर डालने वाला है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों को इस विषय पर एकमत होते हुए जनता के बीच पहुंचना चाहिए। साथ ही इस विषय को मेनीफेस्टो में डाले जाने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि हमारी सभी की अपनी सोच इसके प्रति गंभीर बने।

डिजिटल युग में फर्जी खबरें (फेक न्यूज) एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं, जिसमें जनता को गुमराह करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करने की क्षमता है। हालाँकि, गलत सूचना को संबोधित करने में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1) (a) के तहत गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संतुलित करना आवश्यक है। चुनौती नागरिकों के असहमति व्यक्त करने या राय व्यक्त करने के अधिकार का उल्लंघन किए बिना गलत सूचना का मुकाबला करने में है अर्थात यह सुनिश्चित करने में है कि नियामक उपाय वैध भाषण का दमन न करें। यह पवित्रता ही है जो समाचार को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। लेकिन फर्जी खबरों की परिघटना समाचार के मूल मूल्यों को निशाना बनाती है, जो असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों या उन उच्च और शक्तिशाली लोगों के निजी हितों को पोषित करती है, जो समाचार की आड़ में अपना निजी एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। और जब फर्जी खबरों को डिजिटल पंख लग जाते हैं, तो यह वायरल पत्रकारिता में बदल जाती है। यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो यह हिंसा और घृणा फैला सकती है, तबाही मचा सकती है और नागरिक समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। आजकल फर्जी खबरें समाचार उद्योग के साथ-साथ समाज के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। इंटरनेट क्रांति ने फर्जी खबरों को फैलाने के लिए एक नरम आधार प्रदान किया है और यह गलत सूचना, समाचार में अशुद्धि, भ्रामक समाचारों, अर्धसत्य और कभी-कभी अत्यधिक सनसनीखेज रिपोर्टिंग का प्राथमिक कारण बन गया है, जो जनता का ध्यान खींचने और उन्हें गुमराह करने के लिए किया जाता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर सूचना इतनी तेज गति से फैलती है कि विकृत, गलत या झूठी सूचना वास्तविक दुनिया में कुछ ही मिनटों में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव पैदा करने की जबरदस्त क्षमता रखती है। फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग ऐप फर्जी खबरें फैलाने के लिए उपजाऊ प्लेटफॉर्म बन गए हैं। इस पृष्ठभूमि में यह पेपर फर्जी खबरों की चुनौतियों, समाज पर इसके प्रभाव, फर्जी खबरों को फैलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म को विनियमित करने में सरकार की भूमिका, सोशल मीडिया के स्व-नियमन और सबसे बढ़कर नागरिकों और युवाओं की ज़िम्मेदारी का मूल्यांकन करने का इरादा रखता है, जो देश का भविष्य हैं।

गलत सूचना की समस्या का मुकाबला करने और वाक स्वतंत्रता की सुरक्षा के बीच संतुलन हासिल करने में कई दिक्कतें हैं। ह्लफर्जी समाचारह्व या ह्लभ्रामक सूचनाह्व जैसे शब्दों के लिए स्पष्ट परिभाषाओं का अभाव कानूनी अस्पष्टता उत्पन्न करता है, जिससे वाक स्वतंत्रता संबंधी अधिकारों का उल्लंघन किए बिना सामग्री को विनियमित करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना से निपटने के उद्देश्य से किए गए विनियामक उपाय अक्सर सरकारी अतिक्रमण का कारण बन जाते हैं, जहाँ अधिकारी फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाने के परिप्रेक्ष्य में असहमति की मुद्दों को दबा सकते हैं। अस्पष्ट विनियमन और कानूनी कार्रवाई के डर से व्यक्तियों में स्व-सेंसरशिप की प्रवृत्ति उत्पन्न हो सकती है विशेष रूप से मीडिया, राजनीतिक व्यंग्य या सक्रियता में, जिससे रचनात्मकता और खुले विचार-विमर्श पर असर पड़ता है। उदाहरण के लिए: व्यंग्यकार और हास्य कलाकार अस्पष्ट कानूनों के तहत नतीजों के डर से सरकारी नीतियों पर टिप्पणी करने से बच सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कानूनी समस्याओं से बचने के लिए पहले से ही सामग्री हटाने का दबाव हो सकता है भले ही सामग्री किसी कानून का उल्लंघन न करती हो, जिससे ऑनलाइन उपलब्ध राय की विविधता प्रभावित हो सकती है। ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म अपनी 'सेफ हॉर्बर' सुरक्षा खो सकते हैं , जो उन्हें उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के प्रति उत्तरदायित्व से बचाती है।

वाक स्वतंत्रता ,व्यक्तियों को राय व्यक्त करने की अनुमति प्रदान करती है जो सदैव सत्यापित तथ्यों के साथ संरेखित नहीं हो सकता है, जिससे गलत सूचना और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। गलत सूचना पर नियामक नियंत्रण ,अनजाने में खोजी पत्रकारिता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है जिसमें अक्सर शक्तिशाली संस्थाओं के संबंध में असुविधाजनक सच्चाइयों को उजागर करना शामिल होता है। हालाँकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों को रोकने के लिए फर्जी खबरों (फेक न्यूज) पर अंकुश लगाना आवश्यक है परंतु अति उत्साही दृष्टिकोण वाक स्वतंत्रता सहित नागरिक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। कानून में स्पष्ट और विशिष्ट परिभाषाएँ होनी चाहिए कि फर्जी खबरें क्या होती हैं जो जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना और वैध राय के बीच अंतर स्पष्ट करना। उदाहरण के लिए: भारत यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम के समान एक रूपरेखा अपना सकता है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन किये बिना स्पष्ट रूप से अवैध सामग्री को रेखांकित करता है। सामग्री की तथ्य-जाँच के लिए स्वतंत्र, गैर-सरकारी निकायों की स्थापना से सरकारी पूर्वाग्रह का जोखिम कम हो सकता है और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकती है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

इजरायल-ईरान संघर्ष के भारतीय संदर्भ

डॉ. कुमारेंद्र सिंह सेंगर

हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद भी इजराइल ने लेबनान में चरमपंथी समूह के ठिकानों पर बमबारी जारी रखी. उसने साफ कहा था कि वह हमले बंद नहीं करेगा और इजराइल के हितों पर हमला करने वाले किसी भी देश को नष्ट कर देगा. इजरायल द्वारा हिजबुल्लाह पर ताबड़तोड़ हमलों के बाद आशंका व्यक्त की जा रही थी कि कहीं इसकी परिणति ईरान द्वारा इजरायल पर हमला करने के रूप में न हो. यह आशंका मंगलवार शाम को सच साबित भी हुई जबकि ईरानी सेना ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी. उसकी सेना द्वारा हमले में मुख्य रूप से सेना और सुरक्षा एजेंसी को निशाना बनाया गया. हमले के बाद इजरायली मीडिया ने बताया कि ईरान ने इजरायल पर 180 के आसपास बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं. इस हमले के तुरंत बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने उस पर हमला करके बहुत बड़ी गलती की है. उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. नेतन्याहू के इस बयान के बाद दोनों देशों के मध्य सीधे युद्ध की आशंका तीव्र हो गई है. माना जा रहा है कि इजरायल किसी भी वक्त ईरान पर सीधा हमला कर सकता है.

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ ही इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष का वर्तमान दौर के चलते सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुदाय महत्वपूर्ण मोड़ पर है क्योंकि इस संघर्ष में अब ईरान के शामिल हो जाने से भू-राजनीतिक चुनौतियाँ बढ़ गई हैं. ईरान की यौद्धिक स्थिति पर विचार करते समय सावधानी बरतना जरूरी है. इजराइल के पास बड़ी सैन्य शक्ति है और उसे अमेरिका से समर्थन प्राप्त है. ईरान के साथ इजरायल की युद्ध स्थिति यदि बढ़ती है तो इसके परिणाम को और वर्तमान को भारतीय हितों के सन्दर्भ में समझने की आवश्यकता है. जहाँ तक भारत के हितों का सवाल है, पश्चिम एशिया, विशेष रूप में खाड़ी देशों में भारतीय नागरिकों के लिए यह संघर्ष एक तरह का जोखिम पैदा कर ही सकता है.

यदि भारतीय सन्दर्भों में इजरायल और ईरान को देखें तो किसी समय भारत की नीति फिलिस्तीन को समर्थन देने की रही है मगर पिछले दो दशकों से अधिक समय से भारत और इजरायल के बीच सम्बन्ध प्रगाढ़ हुए हैं. सैन्य सम्बन्धों, उपकरणों, तकनीकी, खुफिया तंत्र आदि के विकसित स्वरूप के लिए इजरायल बराबर भारत का साथ दे रहा है. पिछले दशक में 2.9 अरब डॉलर मूल्य की मिसाइलें, रडार, निगरानी और लड़ाकू ड्रोन का निर्यात इजरायल से किया गया है. इजरायल के साथ-साथ भारत के सम्बन्ध ईरान के साथ भी महत्त्वपूर्ण समझे जाते हैं. देश का चाहबार पोर्ट उन्हीं के क्षेत्र में हैं, जिसके माध्यम से यूरोप को जोड़ने की कल्पना को साकार किया जा सका है. भारत ने 2016 में चाबहार को विकसित करने के लिए 8.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया था और तेहरान को 15 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन भी दी थी. इसके साथ-साथ ईरानी तेल-गैस भी भारत के लिए हाइड्रोकार्बन के निकटतम स्त्रोत हैं. अमेरिकी प्रतिबंधों से पहले भारत ईरानी तेल का बड़ा खरीदार था. ऐसे में इजरायल और ईरान का संघर्ष बढ़ने पर भारत के सामने नई चुनौती आएगी.

ईरान युद्ध में शामिल होने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि वह तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकता है या फिर यह बाधा युद्ध के कारण स्वतः बन सकती है. दोनों ही स्थितियों में तेल की कीमतों का बढ़ना तय है. भारत कच्चे तेल के क्षेत्र में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और उसे अपनी ऊर्जा-आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है. ऐसे में तेल कीमतों की वृद्धि से भारतीय आर्थिक विकास दर के नकारात्मक स्थिति में जाने की आशंका भी बनती है. यह देश के आर्थिक विकास की दृष्टि से उचित नहीं. इसके अलावा खाड़ी देशों में काम करते भारतीयों पर भी इस युद्ध का नकारात्मक असर पड़ने की सम्भावना है. एक अनुमान के अनुसार नब्बे लाख के आसपास भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं. ईरान के हमले के बाद यदि इजरायल सीधे-सीधे युद्ध की स्थिति में उतर आया तो ऐसी स्थिति में ये भारतीय खाड़ी देशों से वापस अपने देश को आने लगेंगे. इससे भी मध्य पूर्व क्षेत्र में भारत के लगभग 195 बिलियन डॉलर के बाईलेटरल व्यापार पर भी असर पड़ेगा. यद्यपि भारत द्वारा इजरायल-हमास संघर्ष के आरंभिक दौर से ही इस संघर्ष को शांत करने के प्रयास किये जाते रहे तथापि उसे इसमें सफलता नहीं मिली. इजराइल पर हमास के आतंकवादी हमले के बाद से ही भारत ने मध्य-पूर्व क्षेत्र के सऊदी अरब, ईरान, मिस्त्र, फिलिस्तीन सहित अनेक यूरोपीय नेताओं से वार्ता की. लगातार चचाओं, वाताओं के बाद भी संघर्ष बढ़ता ही गया और अब वह एक युद्ध के रूप में नजर आ रहा है. भारत के ईरान के साथ लम्बे समय से रणनीतिक संबंध हैं, वहीं मोदी सरकार ने इजराइल के साथ भी गहरे सम्बन्ध विकसित किए हैं. ऐसे में भारत को आतंकी संगठनों, आतंकवादियों के समूल नाश किये जाने के प्रति दृढ़प्रतिज्ञ रहते हुए भविष्य और तमाम आशंकाओं के सन्दर्भ में दोनों देशों के साथ कूटनीतिक स्तर पर कदम बढ़ाते हुए युद्ध जैसी स्थिति को न बनने देने के प्रयास करने चाहिए.

सबको अपनी भूमिका निभानी होगी

प्रेमचंद्र

शिक्षक की भूमिका निभाते हुए सबसे बड़ी चुनौती होते हैं पिछड़े गरीब विद्यार्थी। विगत कुछ दशकों से सरकारी, अर्द्ध सरकारी विद्यालयों में लगभग अस्सी-नब्बे फीसद बच्चे इसी श्रेणी के होते हैं। ऐसे बच्चे चाहे किसी भी जाति या धर्म के हों, उनके सामने सरकारी स्कूलों के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होता। अथार्भाव के कारण उनके लिए पब्लिक स्कूल में पढ़ पाना सम्भव ही नहीं होता। पिछले कुछ दशकों से ऐसे विद्यार्थियों को भी गृह परीक्षाओं में उत्तीर्ण दिखाकर अगली कक्षा में भेज दिया जाता है - बिना इस बात की परवाह किये कि उस परीक्षा में बच्चे का प्रदर्शन कैसा था ! यही नहीं उनकी अनियमित उपस्थिति की भी अनदेखी कर दी जाती है। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि ऐसे बच्चे लगातार पिछड़ते जाते हैं और उनमें हीनता की ग्रंथि पनपने लगती है।

वस्तुतः यह उन सरकारों के द्वारा बोया गया ऐसा घातक जहर था जिसके कारण प्रदेश की लगभग दो पीढ़ियों की बहुसंख्य युवा आबादी डिग्रीधारी बौद्धिक विकलांगों की फौज बनकर रह गयी। ऐसे लोग, पुश्तैनी खेती-बारी से जीविकोपार्जन करने में भी अपनी हेठी महसूस करने लगे। शासन-प्रशासन, भ्रष्ट शिक्षकों-कर्मचारियों एवं उनकी सरपरस्ती में पलने वाले छोटे-बड़े शिक्षा-माफियाओं द्वारा किये गए इस महापाप का दुखद परिणाम यह हुआ कि उस कालखण्ड के अधिकांश युवा न घर के हो सके, न घाट के। ऐसे लोग अपनी सन्तानों के लिए भी अच्छे अभिभावक नहीं साबित हो सकते क्योंकि उनका सारा समय तो रोजमर्रा की दिक्कतों एवं खीझ से निपटने में ही स्वाहा हो जाता है।

हमारे समाजशास्त्रियों, विचारकों, समाज-सुधारकों तथा खुद को समाज के हाशिये पर खड़े लोगों का हमदर्द कहने वालों ने इस ज्वलंत प्रश्न पर विचार करने से हमेशा परहेज किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकारी शिक्षकों के मध्य बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने शिक्षण कार्य को एक मिशन की तरह लेने की बजाय, उसे मात्र 'नौकरी' समझा और इसीलिए अपने विद्यालय से भावनात्मक रूप से कभी नहीं जुड़ सके। इस समस्या को जटिल बनाने में यहाँ प्रचलित दोहरी-तिहरी शिक्षा व्यवस्था का भी बहुत बड़ा हाथ रहा है। वर्तमान सरकार इस प्रभाव से शिक्षालयों को मुक्त करने में काफी हद तक सफल हुई है लेकिन केवल सरकार द्वारा उठाये गए सुधारवादी कदमों से ऐसे विद्यार्थियों का बौद्धिक व चारित्रिक विकास होना कतई सम्भव नहीं है। मोबाइल, इण्टरनेट जैसी सर्वसुलभ अँटकाने-भटकाने वाली चीजों के इस दौर में शिक्षकों, अभिभावकों तथा खुद युवा विद्यार्थियों की भूमिका भी उतनी ही अहम है। अभिभावकों और विद्यार्थियों को सच्चे मन से यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा माध्यम है जो विपन्नता व हीनता के असुरों को परास्त कर सकती है। सरकारी तथा सहायता प्राप्त अर्द्ध-सरकारी शिक्षण संस्थानों में हर विद्यार्थी के लिए समान अवसर उपलब्ध हैं। आवश्यकता है उन अवसरों एवं संसाधनों से अधिकतम लाभान्वित होने की। आज के दौर में जो भी व्यक्ति जीवन में ज्ञानार्जन एवं परिश्रम करने के मामले में आलस्य दिखाएगा, उसे देर-सवेर दरिद्रता और पिछड़ेपन का शिकार होना ही पड़ेगा!

सुशिक्षित, संवेदनशील एवं सक्षम लोगों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। वे साधनविहीन युवाओं को पढ़ाने का संकल्प लें तो बेहतर होगा। अगर हर गाँव, हर टोले-मुहल्ले में दो-चार इन्सान भी ऐसा कर सकें, तो आने वाले कुछ ही दिनों में छोटे किसानों, श्रमिकों, खोमचे-रेहड़ी वाले दुकानदारों तथा अथार्भाव की समस्या से जूझते अन्य लोगों के बच्चे भी आगे चलकर सशक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने लायक बन सकते हैं।

क्या हरियाणा, तय करेगा देश की राजनीति?

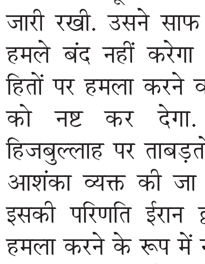

योगेश मोहन

हरियाणा राज्य की चुनावी प्रक्रिया जैसे-जैसे अपने परिणामों की ओर अग्रसर हुई, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों के मध्य चुनावी संघर्ष और अधिक मनोरंजक हो गया। चुनावी अधिसूचना के समय भाजपा, कांग्रेस, जजपा, इनेलो, आप, आसपा, बसपा आदि पार्टियाँ अपनी विजयश्री का दावा कर रही थी, परन्तु मतदान का समय निकट आते-आते मुख्य द्वंद्व केवल भाजपा और कांग्रेस के मध्य ही होता प्रतीत हो रहा है। इन दोनों पार्टियों के इतर सभी पार्टियों की भूमिका मात्र इन दोनों पार्टियों को क्षति अथवा लाभ पहुँचाने का ही रह गई है। हरियाणा राज्य की जनता बहुत ही समझदार एवं परिपक्व है। उसने भाजपा की विगत 10 वर्षो की शासन प्रणाली को देखा और उसके श्रेष्ठ व त्रुटिपूर्ण कार्यो की समीक्षा के आधार पर अपने मत का निर्णय अपने विवेक के आधार पर करना निश्चित किया।

इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने विजयश्री को प्राप्त करने के लिए अपने-अपने सम्पूर्ण संसाधनों का प्रयोग किया। दोनों ही पार्टियों की ओर से 40-40 मुख्य प्रचारकों के नाम चुनाव आयोग को दिए जा चुके हैं। जब यह संख्या भी उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर पायी तो दोनों दलों ने अपने-अपने मुख्यमंत्रियों को भी प्रचार के लिए आमंत्रित किया। प्रारम्भ में आप पार्टी भी अत्यधिक स्फूर्ति के साथ इस चुनावी दंगल में उतरी थी, परन्तु जैसे-जैसे चुनावी प्रक्रिया अग्रसर हुई, वैसे-वैसे आप पार्टी, भाजपा व कांग्रेस के समक्ष अपना अस्तित्व बनाने में असफल रही और उसे जनता से जिस सहयोग की अपेक्षा थी, वह नहीं मिल सका। अन्त में यह चुनावी प्रक्रिया भाजपा व कांग्रेस के मध्य तक ही सीमित रह गई।

इन चुनावों से पूर्व शीर्ष नेतागण हेलिकाप्टर व बड़ी गाड़ियों से प्रचार करने हेतु आते थे और जनसभा को सम्बोधित कर निकल जाते थे। वहीं इस बार राहुल गांधी ने हरियाणा चुनाव को एक नई दिशा की ओर अग्रसरित कर दिया। उन्होंने अपनी 4 दिन की रथयात्रा एवं पैदल यात्रा के द्वारा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का संकल्प लेकर इस चुनाव को और अधिक रोचक बना दिया है। इसी के साथ हरियाणा की रागनियां, ढोल, नगाड़ो, तानपुरा व सारंगी के प्रयोग ने इस चुनाव को मनोरंजक व दिलचस्प बना दिया है। ओलम्पिक खिलाड़ी विनेश फौगाट के कारण महिलाओं का इस चुनाव में अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लेना भी, एक आकर्षण का केन्द्र बनता चला गया।

किसी भी क्षेत्र में विजय अथवा पराजय में से एक की प्राप्ति होना निश्चित है, इसी नियम का अनुकरण राजनीति के क्षेत्र में भी होता है। इतना अवश्य है कि इस चुनाव में जिस पार्टी की भी पराजय होगी, उसे अपनी चुनावी रणनीतियों को पुनः निर्धारित करना पड़ेगा और अपनी कमियों का आंकलन करना होगा। इसके विपरीत जो पार्टी इस चुनाव में विजयी होगी, वो ही भारत की राजनीति का सिकन्दर कहलाएगी।

(वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)

पिच खोदने गए हिंदू महासभा के 20 कार्यकर्ता हिरासत में

सनसनी : टी-20 मैच के लिए भारत-बांग्लादेश टीमें ग्वालियर पहुंचीं, टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। गुरुवार को टी-20 मैच के लिए भारत-बांग्लादेश टीमें ग्वालियर पहुंची गयी है। ग्वालियर में 6 अक्टूबर को भारत-बांग्लादेश टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच होने जा रहा है। इसके लिए टीम इंडिया और बांग्लादेशी टीम के खिलाड़ी ग्वालियर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश की टीम को सिटी सेंटर होटल रेडिसन, टीम इंडिया को होटल ऊषा किरण पैलेस में ठहराया गया है। उधर, टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया।

इस दौरान पिच खोदने पहुंचे 20 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दोनों होटल के हेड शेफ ने प्लेयर्स के डाइट चार्ट के आधार पर एनर्जी के लिए काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन से भरपूर फूड की लिस्ट बना ली है। इंडियन टीम को वेजिटेबल सैंडविच, वेजिटेबल से भरपूर ऑमलेट, खिचड़ी, फ्रेश जूस, फ्रूट सलाद पनीर सर्व किया जाएगा। बांग्लादेश टीम को कम फैट वाला नॉनवेज, खिचड़ी, निहारी, खमीरी रोटी, काकोरी कबाब सर्व किए जाएंगे। सुबह 8.30 बजे पहुंची पहली फ्लाइट आज दिनभर दोनों टीम के खिलाड़ी अलग-अलग फ्लाइट से आते रहेंगे। सबसे पहले बेंगलुरु से बुधवार सुबह 8.30 बजे पहली फ्लाइट ग्वालियर पहुंची। इससे बेंगलुरु कैंप में ट्रेनिंग ले रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव, जीतेंद्र शर्मा (विकेट कीपर), रवि बिश्नोई, मयंक यादव, रियान पराग और अभिषेक शर्मा (ओपनर बल्लेबाज) ग्वालियर आए। दूसरी फ्लाइट दिल्ली से सुबह 11 बजे के लगभग ग्वालियर एयरपोर्ट पर उतरी। इसमें अर्शदीप सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा आए। अगली फ्लाइट दोपहर 1.55 बजे मुंबई से सीधे ग्वालियर आएगी।

मुंबई से आने वाली इस फ्लाइट में भारतीय टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या समेत 6 खिलाड़ी होंगे। पिच खोदने के लिए बढ़े हिंदू महासभा के कार्यकर्ता, 20 हिरासत में शाम को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा ने प्रदर्शन किया। हिंदू महासभा ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बांग्लादेश की टीम के आने पर विरोध करेंगे। इसी के तहत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता सड़क पर झंडे लेकर उतर गए।

उन्होंने बांग्लादेश वापस जाओ के नारे लगाए। प्रदर्शन करते हुए हिंदू महासभा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की ओर रवाना हुए। हिंदू महासभा के कार्यकर्ता स्टेडियम की पिच खोदना चाहते थे, लेकिन इसके पहले ही महाराज बाड़े पर पुलिस ने उन्हें रोका और करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है। 2 हजार से ज्यादा जवान रहेंगे तैनात भारत बांग्लादेश मैच की सुरक्षा को लेकर दो हजार से ज्यादा जवान तैनात किए जा रहे हैं। ग्वालियर में मैच की सुरक्षा के लिए चार एसपी की मांग की गई थी, लेकिन ग्वालियर सहित दो एसपी ही मिले हैं। इसके अलावा 1500 अतिरिक्त जवान बाहर से आएंगे और एक हजार का पुलिस बल ग्वालियर से लगाया जा रहा है। खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से होटल लाने और होटल पर सुरक्षा के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। इसके साथ ही दोनों टीम को होटल से स्टेडियम तक पहुंचाने वाली टीम में अफसर और जवान अलग से तैनात किए गए हैं, जिससे किसी प्रकार की गफलत न हो।

स्टेडियम में जहां से खिलाड़ी मैदान में आएंगे और जाएंगे, उस मार्ग पर सुरक्षा के लिए अलग टीम तैनात रहेगी।

महिला टी20 विश्व कप : यूएई में आज भारत-इंग्लैंड से खेलेगी

दुबई। महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट गुरुवार से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरू हो गया, इसमें 10 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम के साथ इसमें ग्रुप ए में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें हैं। दूसरे ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं। टूनामेंट में कुल 23 मैच होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैचों के लिए रिजर्व डे रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराने के लिए सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनन करना होगा। मंधाना के अनुसार उनकी टीम को लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करना है पर ये आसान नहीं रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक तीन बार टी20 विश्व कप जीता है। साल 2020 में उसने फाइनल में भारत को हराया था। वहीं साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराया था। इस बार भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 13 अक्टूबर को खेलेगी।

धोनी से बेहतर कप्तान हैं रोहित: हरभजन

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने कहा है कि रोहित शर्मा कुछ मामलों में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से भी बेहतर कप्तान साबित हुए हैं। हरभजन ने कहा कहा, मैंने रोहित को धोनी से अधिक वरीयता इसलिए दी है क्योंकि रोहित खिलाड़ियों के कप्तान हैं। वह खिलाड़ियों के पास जाते हैं और उनसे पूछते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। उनके साथी खिलाड़ी उनसे बहुत अच्छी तरह से जुड़ते हैं पर धोनी का अंदाज अलग था। धोनी किसी से बात नहीं करते थे। वह बिना बोले ही शांत रहकर अपने विचार व्यक्त करते थे। दूसरों से बात करने का यही उनका तरीका था। धोनी और रोहित पूरी तरह से अलग-अलग तरह के कप्तान हैं। धोनी कभी भी किसी खिलाड़ी को कहां क्षेत्ररक्षण करना है नहीं पूछते थे।

द. अफ्रीका ने आयरलैंड को हराया

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 139 रनों से जीत हासिल की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरूआत में ही 39 रनों पर तीन विकेट खो दिए। इसके बाद रेयान रिकल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स ने अफ्रीकी टीम को संभाला।

नये बल्लेबाज रेयान रिकल्टन ने 102 गेंदों में ही 91 रन बना दिये। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स ने भी 79 रनों की पारी खेली। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 152 रन बनाकर अपनी टीम को बेहतर हालातों में पहुंचाया। वहीं ब्योर्न फोर्ट्यून ने 28 और लुंगी एंगिडी ने 20 रन बनाये। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 9 विकेट पर 271 रन बनाए। जीत के लिए मिले 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम 31.2 ओवरों में 132 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लिजाड विलियम्स ने सबसे अधिक 4 विकेट जबकि ब्योर्न फोर्ट्यून और लुंगी एंगिडी ने दो-दो विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

मुकेश कुमार ने ईरानी कप में पांच विकेट लिए : नई दिल्ली। मुम्बई के गेंदबाज मुकेश कुमार ने ईरानी कप में शेष भारत के खिलाफ हुए मुकाबले में पांच विकेट लिए हैं। मुकेश ने शीर्ष क्रम के 3 बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। मुकेश ने सबसे पहले पृथ्वी शॉ को आउट किया. इसके बाद उन्होंने आयुष महात्रे और हार्दिक तमोरे का विकेट निकाला। फिर उन्होंने शम्स मुलानी और जुबेर खान का भी विकेट लिए। इस तरह मुकेश ने कुल 110 रन देकर 5 विकेट लिए। मुकेश को इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम में शामिल किया गया था। तब उन्हें सीरीज में केवल एक मैच में ही लिया गयाथा। वह पहली पारी में विकेट नहीं ले पाये पर दूसरी पारी में उन्हें एक विकेट मिला।

रिजवान बन सकते हैं टी20 टीम के कप्तान

लाहौर। बाबर आजम के इस्तीफे के बाद अब पाकिस्तान की एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को मिल सकती है। पाक टीम को भविष्य में कई टी20 और एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में उन्हें एक अच्छे कप्तान की तलाश है। एक रिपोर्ट के अनुसार रिजवान टीम की कमान संभाल सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिजवान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं और टीम के सभी खिलाड़ियों से उनका तालमेल भी अच्छा है। ऐसे में वह बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। पिछली बार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कप्तानी मिली थी पर वह विफल रहे थे। रिजवान ने अपने एकदिवसीय करियर में अब तक 74 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 40 की औसत से 2,088 रन बनाए हैं। जिसमें 180 चौके और 21 छक्के शामिल हैं। वहीं, उन्होंने टी20 करियर में अब तक 102 मैच खेले हैं।

मेसी की फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में हुई वापसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने कहा है कि स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप क्वालीफायर में खेलेंगे। टखने की चोट के कारण पिछले कुछ समय से मैदान से बाहर थे। फुटबॉल संघ के अनुसार मेसी वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर में खेलेंगे। मेसी टखने की चोट के कारण चिली और कोलंबिया के खिलाफ सितंबर में एल्बिसेलेस्टे के खिलाफ क्वालीफायर से बाहर हो गये थे हालांकि अब वह फिट हैं और अपने क्लब इंटर मियामी की ओर से उन्होंने मैदान में वापसी कर ली है। अर्जेंटीना का मुकाबला 10 अक्टूबर को वेनेजुएला से और 15 अक्टूबर को बोलीविया से होगा। अभी अर्जेंटीना10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में आठ मैचों में 18 अंकों लेकर शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान पर चल रहे कोलंबिया से दो अंक आगे है। इसमें से शीर्ष छह टीमें 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा करेंगे। वहीं सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में खेलेगी।

अर्जेंटीना टीमः डिफेंडर्स : गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम), जर्मन पेजेला (रिवर प्लेट), मार्कोस एक्यूना (रिवर प्लेट), लियोनार्डो बलेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ल्योन)। फॉरवर्डः लियोनेल मेसी (इंटर मियामी), निकोलस गोंजालेज (जुवेंटस), एलेजांद्रो गानाचो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), जूलियन अल्वारेज (एटलेटिको मैड्रिड), पाउलो डायबाला (रोमा), लुटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान)।

गोलकीपरः वाल्टर बेनिटेज (पीएसवी आइंडहोवेन), गेरोनिमो रूली (ओलंपिक मार्सिले), जुआन मुसो (एटलेटिको मैड्रिड)।

मिडफील्डरः लिएंड्रो पेरेडेस (रोमा), एलेक्सिस मैक एलिस्टर (लिवरपूल), एंजो फर्नांडीज (चेल्सी), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस), निकोलस पाज (कोमो), एक्सक्विएल पलासियोस (बायर लीवरकुसेन), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), वैलेन्टिन काबोर्नी (ओलंपिक मार्सिले), थियागो अल्माडा (बोटाफोगो)।

स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले : लंदन। डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है।

गूगल ने भारतीय यूजर्स के हजारों करोड़ों रुपये बचाए

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी में शुमार गूगल की तरफ से हाल ही में गूगल फॉर इंडिया इवेंट का आयोजन हुआ था। कंपनी ने इस इवेंट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की है। इस दौरान कंपनी ने जानकारी दी है कि उसने गूगल पे पेमेंट ऐप में कई नए फीचर्स को शामिल किया है।

गूगल की मानें तो गूगप पे पेमेंट ऐप पर फ्रॉड से बचाने के लिए कंपनी ने एआई की मदद भी ली है। कंपनी ने दावा किया है कि बीते वर्ष से लेकर अब तक इस टूल की मदद से फ्रॉड होने से यूजर्स के 13 हजार करोड़ रुपये बचाए गए हैं।

गूगल का कहना है कि बीते वर्ष में गूगल पे यूजर्स को चार करोड़ से अधिक वॉर्निंग भेजी गई है। इन वॉर्निंग की मदद से उनके 13 हजार करोड़ रुपये के स्कैम बचाया है। गूगल अब फ्रॉड रिव्यू को हटाने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। फ्रॉड रिव्यू गूगल मैप्स की पॉलिसी का पालन नहीं कर रहे थे। कंपनी ने संभावना जताई है कि आने वाले दिनों में यूजर्स को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा देने के लिए नए बदलाव भी किए जाएंगे।

गौरतलब है कि गूगल प्ले प्रोटेक्ट के साथ रियल टाइम स्कैनिंग फीचर आया है, जिसके जरिए उन ऐप्स को भी स्कैन किया जाता है जो रिस्क डिटेक्ट करते है। गूगल ने एक करोड़ से अधिक ऐप्स को वैश्विक स्तर पर डिटेक्ट किया है। अब प्लेटफॉर्म की तरफ से एंड्रॉयड डिवाइसेज को नया फ्रॉड डिटेक्शन फीचर जारी हो रहा है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक शुरू

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को अपनी तीन दिवसीय मौद्रिक नीति (एमपीसी) बैठक शुरू कर दी है। इस बार ये बैठक नौ अक्टूबर को समाप्त होगी, जिसमें केंद्रीय बैंक के रेपो रेट पर विचार किया जाएगा। इस बैठक में चर्चा होगी कि क्या केंद्रीय बैंक रेपो दर को 6.50 प्रतिशत के वर्तमान स्तर पर बनाए रखेगा, जिस रुख को उसने लगातार नौ बैठकों में स्थिर रखा है। मुद्रास्फीति नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए आरबीआई ने रेपो दर को लम्बे समय तक अपरिवर्तित रखा है। इस बैठक के परिणाम पर विशेष रूप से नजर रखी जा रही है, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने लगातार आठ बैठकों तक ब्याज दरों को स्थिर रखने के बाद ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की कटौती करने का निर्णय लिया है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में होने मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी। इस बैठक में समिति द्वारा निर्णय लेने से पहले कई कारकों पर विचार होगा। इसमें मुख्य रुप से मुद्रास्फीति के रुझान, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और घरेलू विकास की संभावनाएं शामिल हैं। मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य और ईंधन की कीमतों में, एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के हालिया आंकड़ों से पता चला है कि भारत की उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति अगस्त में 3.65 प्रतिशत रही, जो आरबीआई के लक्ष्य बैंड के भीतर है। खाद्य मुद्रास्फीति 5.65 प्रतिशत पर बनी हुई है, जो आरबीआई के मध्यम अवधि लक्ष्य 4 प्रतिशत से अधिक है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमत जैसे वैश्विक कारक भी आरबीआई के फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। तेल की कीमतों में उछाल केंद्रीय बैंक को रेपो दर पर अपनी मौजूदा स्थिति पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में एमपीसी में तीन नए सदस्य भाग लेंगे। नए बाहरी सदस्यों में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह, अर्थशास्त्री सौगत भट्टाचार्य और औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक और मुख्य कार्यकारी डॉ. नागेश कुमार शामिल हैं।

ये नियुक्तियाँ समिति के लिए नए दृष्टिकोण लेकर आएंगी क्योंकि यह वर्तमान आर्थिक परिदृश्य पर नजर रखेगी। बढ़ती आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच आरबीआई की भविष्य की मौद्रिक नीति दिशा के संकेतों के लिए बैठक के नतीजों पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

महाराष्ट्र 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा जरूरत गैर-परंपरागत स्रोतों से पूरी करेगा

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि 2030 तक महाराष्ट्र देश का पहला ऐसा राज्य बन जाएगा जो अपनी बिजली जरूरतों का 50 प्रतिशत गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से पूरा करेगा। फडणवीस राज्य के ऊर्जा मंत्री भी हैं। नागपुर एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) में अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड की एक परियोजना के शिलान्यास समारोह में मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काफी बदलाव हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने मात्र ढाई साल में राज्य में 20,000 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। राज्य में 40,000 मेगावाट सौर ऊर्जा की क्षमता है। उन्होंने कहा कि अब एक साल में ही सौर पंप भंडारण परियोजना की क्षमता 55,000 मेगावाट हो गई है। इसी तरह पवन और सौर परियोजनाओं की क्षमता करीब 20,000 मेगावाट है। फडणवीस ने कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार सौर और गैर-पारंपरिक ऊर्जा परियोजनाओं पर काम कर रही है, 2030 तक महाराष्ट्र अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत गैर-पारंपरिक स्रोतों से उत्पादित करने वाला पहला राज्य बन जाएगा। अवाडा परियोजना के बारे में उन्होंने कहा कि कंपनी इस परियोजना में करीब 14,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और इससे अप्रैल, 2025 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। कहा कि इस परियोजना से 5,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिसमें से 51 प्रतिशत रोजगार महिलाओं के लिए होंगे।

द दिल्ली फाइल्स-द बंगाल चैप्टर की रिलीज डेट अब आई सामने

मुंबई। फिल्म मेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा अपनी फिल्मों के जरिए सुर्खियां बटोरने से लेकर हलचल मचाने तक के लिए जान जाते हैं। उनकी फिल्मों की कहानियां दर्शकों पर असर डालने से लेकर उनकी बोल्ड स्टोरी टेलिंग के अंदाज को भी सामने रखती हैं। द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द वैक्सीन वॉर जैसी सफल फिल्में बनाने के बाद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म मेकर अपनी अगली फिल्म द दिल्ली फाइल्स के साथ एक और दिलचस्प कहानी कहने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म ने अपने अनाउंसमेंट के बाद से ही खबरों में जगह बनाई हुई है। इसके अलावा, फिल्ममेकर ने इसे अनोखा बनाने के लिए अपनी टीम के साथ मिलकर एक लंबी और गहन रिसर्च की है। अग्निहोत्री ने इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल के साथ फिर से हाथ मिलाया है, जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स की मेकिंग में अहम भूमिका निभाई थी, इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म किया था। अग्रवाल ने अपनी कंपनी अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स के जरिए नेशनल अवॉर्ड विनिंग फि ल्म कार्तिकेय 2 और क्रिटिकली एक्लेमेड फि ल्म गुडाचारी को प्रोड्यूस किया है। बता दें कि वे खास

ऐतिहासिक कहानियों पर केंद्रित फि ल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। काफी उत्सुकता के बाद, फिल्म मेकर ने मच अवेटेड फिल्म द दिल्ली फाइल्स की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, जो दो पार्ट्स में बनाई जाएगी। ऐसे में उन्होंने खुलासा किया है कि द दिल्ली फाइल्स द बंगाल चैप्टर 15 अगस्त, 2025 को रिलीज होगी।

करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में रिया चक्रवर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऐप के जरिए 500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती, कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया को नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने के लिए कहा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उसने एक मोबाइल एप्लीकेशन हाइबॉक्स से जुड़े घोटाले का भंडाफोड़ किया है। इस ऐप के जरिए कथित तौर पर लोगों को अधिक मुनाफा देने का वादा करके निवेश करने को कहा जाता था। शिकायतों के अनुसार, सोशल मीडिया पर इंफ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स भारती सिंह, हर्ष लिम्बाचिया, लक्ष्य चौधरी, आदर्श सिंह, सौरव जोशी, अभिषेक मल्हान, पूरव झा, एल्विश यादव, अमित और दिलराज सिंह रावत समेत नौ लोगों पर ऐप का प्रचार करने और इसमें निवेश करने का लालच देकर लोगों को ठगने का आरोप है।

मामले की जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि रिया चक्रवर्ती भी उन लोगों में शामिल थीं, जिन्होंने ऐप का प्रचार किया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस इकाई ने रिया, भारती और लिम्बाचिया को अगले सप्ताह जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा है।

पिता बनने के बाद बदल गये हैं रणवीर

मुंबई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया, जो एक बच्ची है। बच्ची का जन्म मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में हुआ है। अब बहुप्रतीक्षित दिवाली रिलीज सिंघम अगेन का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों हैं।

अब जब रणवीर सिंह एक बच्ची के पिता है तो उनके नेचर में काफी बदलाव भी देखने को मिला हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई है, जिसमें सिंघम अगेन के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के एक मार्मिक पल ने कई लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है। रणवीर सिंह के इस कदम ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया रणवीर जैसे ही प्रशंसकों और पैप की भीड़ के बीच से गुजरे, उन्होंने एक छोटी बच्ची को रोते हुए देखा, जो खोई हुई लग रही थी और प्रशंसकों की भीड़ के बीच उसे घसीटा जा रहा था। दयालुता दिखाते हुए, रणवीर ने बच्ची को बचाने के लिए उसे अपनी बाहों में उठा लिया और उसे उसकी चिंतित माँ से सुरक्षित मिलवाया। रणवीर के इस कदम ने सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लिया है।

ऑन-स्क्रीन पावरहाउस होने के अलावा, इस तरह की घटनाएं ऑफ-स्क्रीन उनके विनम्र और आकर्षक व्यक्तित्व को उजागर करती हैं। चूंकि अभिनेता ने हाल ही में खुद पिता बनने का फैसला किया है, इसलिए यह पल विशेष रूप से मार्मिक लगता है, जो सभी को उस जिम्मेदारी की याद दिलाता है जो न केवल रील में बल्कि असल जिंदगी में भी एक नायक की तरह होती है। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने 8 सितंबर को अपनी बेटी का स्वागत किया। मंगलवार को मंचकिन एक महीने की हो जाएगी। दंपति ने अभी तक उसके बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है, फोटो तो छोड़िए, नवजात के नाम की घोषणा भी बाकी है।

दुष्कर्म : इसे फंसा लो वीडियो से डर जाएगी

शिक्षिका से वृंदावन के फॉर्म हाउस में रेप कर छात्र ने बनाई थी वीडियो, बढाई गई धारा

आरती यादव

आगरा। शिक्षिका के साथ छात्र ने वृंद्रावन के पास एक फॉर्म हाउस में दुष्कर्म कर उसकी अश्लील वीडियो बनाई थी। ब्लैकमेल करके उनका शारीरिक शोषण कर रहा था। विरोध करने पर छात्र ने शिक्षिका की अश्लील वीडियो अपने मित्रों को दे दी थी। उन्होंने भी शिक्षिका को वाट्सएप पर वीडियो भेज ब्लैकमेल करने का प्रयास किया।

सनसनीखेज मामले में पुलिस ने शनिवार मथुरा के आरोपित छात्र और उसके तीनों मित्रों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। शिक्षिका इंस्टाग्राम पर शिक्षका पेज बना वीडियो अपलोड करने वाले एक आरोपित की तलाश जारी है। शाहगंज क्षेत्र की 24 वर्ष की युवती जैत (मथुरा) के एक प्राइवेट स्कूल में वर्ष 2023 में शिक्षिका थीं। जैत में किराए पर कमरा लेकर रह रही थीं। शिक्षिका ने बताया कि उसी स्कूल में दसवीं में पढ़ने वाले मोहल्ला दरिया खाबा थाना जैत के 19 वर्ष के लवकुश ठाकुर के पढाई में कमजोर होने के चलते उसकी मदद करने लगीं। छात्र ने उनका विश्वास जीत अपने जाल में फंसा लिया।उन्हें वृंद्रावन के पास एक फार्म पर लेकर गए। वहां दुष्कर्म के बाद उनकी अश्लील वीडियो बना ली। जिसे सावर्जनिक करने की धमकी शारीरिक शोषण करने लगा। लवकुश इस वर्ष दसवीं पास होने के बाद स्कूल से चला गया। उन्होंने छात्र से दूरी बना ली, जिस पर वह धमकी देने लगा।

वह दबाव में नहीं आयीं तो लवकुश ने उनका वीडियो और फोटो अपने मित्रों को दे दिए। छात्र के मित्र उनके वाट्सएप पर वीडियो भेज ब्लैकमेल करके अपने पास बुला रहे थे। इनकार करने पर छात्र के मित्रों ने इंस्टाग्राम पर शिक्षिका के नाम से फर्जी अकाउंट बना उनके वीडियो और फोटो उस पर अपलोड कर दिए। आत्महत्या का प्रयास कर चुकी शिक्षिका को मिशन शक्ति अभियान के संपर्क में आने पर उन्हें आरोपितों के विरुद्ध शिकायत करने का साहस जुटाया। तीन अक्टूबर को डीसीपी से मिलकर मामले की जानकारी दी थी।

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया शिक्षिका ने तहरीर में दुष्कर्म की बात नहीं लिखी थी।अपने बयान में दुष्कर्म की बात बताई। जिसके आधार पर दुष्कर्म की धारा बढाई है। मामले में धमकी देने, आइटी एक्ट, दुष्कर्म व षडयंत्र रचने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है।छात्र लवकुश उसके गांव के बलवीर, जितेंद्र उर्फ जीतू और गांव तारौली थाना छाता के अरुण कुमार को गिरफ्तार करके शनिवार को जेल भेज दिया। आरोपितों से छह मोबाइल बरामद किए हैं। जिन्हें डाटा रिकवरी के लिए फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। शिक्षिका का इंस्टाग्राम पर बनाया पेज डिलीट करा दिया है।

छात्र लवकुश खुद को निर्दोष बता रहा था। पूछताछ में पुलिस से कहा कि मित्रों ने उसके मोबाइल से चोरी से शिक्षिका के साथ उसके वीडियो ले लिए थे। सख्ती से पूछताछ होने पर सच उगला कि उसने चोरी से मोबाइल से शिक्षिका का वीडियो बनाया था। जिसे अपने मित्रों को दिखाया था। वहीं, मित्रों बलवीर और जितेंद्र का कहना था कि वीडियो लवकुश ने खुद दिया था। कहा था कि शिक्षिका को फंसा लो, वह वीडियो देखकर डर जाएगी। चारों आरोपितों को पता चला कि पुलिस ने उन्हें जेल भेज रही है तो वह रोने लगे।

तीन बार बेची गई किशोरी, हुआ दुष्कर्म

आगरा। हिस्ट्रीशीटर द्वारा प्रेमिका संग मिलकर अगवा 16 वर्ष की किशोरी को तीन बार बेचा गया। धौलपुर और मुरैना में खरीदारों के चंगुल में फंसी किशोरी से दुष्कर्म किया गया। किशोरी को मुरैना में पुलिस जुलाई में बरामद कर लिया था।

हिस्ट्रीशीटर की दहशत के चलते वह खामोश रही। शनिवार को पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया, तो किशोरी ने आपबीती पुलिस को बताई। आरोपितों ने पूछताछ में किशोरी को धौलपुर में 50 हजार में बेचना स्वीकार किया। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर उसकी प्रेमिका को शनिवार जेल भेज दिया। जबकि बाल अपचारी को किशोर गृह भेजा गया है।

फतेहाबाद थाना क्षेत्र की रहने वाली 16 वर्ष की किशोरी 27 मई 2024 को गायब हो गई थी। किशोरी के भाई ने अज्ञात के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने छानबीन में पाया कि किशोरी को फतेहाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर गढ़ी दरियाव का भोला उर्फ मनोज अपनी प्रेमिका गीता और उसकी बेटी मनीषा की मदद से अगवा करके ले गया था। गिरफ्तार हिस्ट्रशीटर ने पूछताछ में बताया कि बेटी मनीषा ने किशोरी को नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई थी। उसे बेहोशी की हालत में ऑटो में डालकर मुरैना ले गए। वहां धौलपुर के रवि से 50 हजार रुपये में सौदा कर दिया था।

रवि ने करीब दो सप्ताह किशोरी को अपने पास रखकर शारीरिक शोषण के बाद उसे मुरैना के पंजाब सिंह को 50 हजार में बेच दिया। पंजाब सिंह ने उसे दो सप्ताह अपने पास रखा। इस दौरान शारीरिक शोषण किया। पंजाब ने भी उसे मुरैना में 40 हजार रुपये में रामनिवास नाम के व्यक्ति को बेच दिया था। यहां भी उसे चंगुल में रखकर शोषण किया। पुलिस ने किशोरी को सात जुलाई को बरामद किया था। उस समय किशोरी ने सहेली मनीषा और उसकी मां द्वारा अपना अपहरण करने की जानकारी दी थी। मगर, दहशत के चलते उसने पूरी जानकारी नहीं दी थी।

इंस्पेक्टर फतेहाबाद डीपी तिवारी ने बताया कि आरोपित हिस्ट्रीशीटर भोला उफ मनोज उसकी प्रेमिका गीता और व उसके नाबलिग बेटे को शनिवार कस्बे के फिरोजाबाद तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपितों को जेल भेजा गया है। मामले में वांछित धौलपुर के रवि और मुरैना के पंजाब सिंह, रामनिवास और मनीषा की तलाश जारी है।

यूपी-112 में सालों से तैनात 76 पुलिस कर्मियों को मिल गई नई तैनाती

बदायूं। यूपी-112 में सालों से तैनात 76 पुलिस कर्मियों को अब थाना, कार्यालय समेत अन्य जगह नई तैनाती मिल गई। दैनिक जागरण ने यूपी-112 के पुलिस कर्मियों की परेशानी की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

जिसके बाद एसएसपी ने यूपी-112 से रिलीव होने की इच्छा रखने वाले पुलिस कर्मियों की सूची मांगी थी। इसके साथ ही थानों व पुलिस लाइन में तैनात पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिलाया गया था। ऐसे 83 पुलिस कर्मियों को यूपी-112 में तैनात किया गया है। इसमें एक उपनिरीक्षक भी शामिल हैं।

जल्द ही कुछ और पुलिस कर्मियों को भी राहत मिल सकती है। बदायूं पुलिस के यूपी-112 विभाग में कई पुलिस कर्मी ऐसे थे जिन्हें इसी तैनाती पर रहती हुए पांच से सात साल हो गए थे। वह दूसरी तैनाती चाहते थे, लेकिन अन्य पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षित न होने के चलते उन्हें नई जगह तैनाती नहीं मिलती थी। ऐसे में परेशान हो चुके पुलिस कर्मियों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिसके बाद कोर्ट गए कुछ पुलिस कर्मियों को राहत दे दी गई थी। लेकिन अन्य पुलिस कर्मियों की समस्या खत्म नहीं हो रही थी। वह भी कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे थे।

दो साल हो गए, अब तक नहीं बनी पेंशन

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने दिया कार्रवाई का निर्देश, मचा हड़कंप

सहसवान (बदायूं)। डीएम निधि श्रीवास्तव ने तहसील सहसवान में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए 33 शिकायती पत्रों को सुना। दो मामले ऐसे थे जिनका मौके पर ही निस्तारण किया। शेष मामलों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंपा। यह भी कहा कि इसका निस्तारण समय बद्ध ढंग से किया जाए।

मामला निपटाने के बाद वादी की संतुष्टि जरूर ली जाए। इसका क्रास चेक भी अधिकारी करेंगे। यहां एक मामला पूर्ति निरीक्षक का आया। उनकी पत्नी ने कहा कि पति का 27 माह पहले निधन हो गया और आज तक पेंशन नहीं बनी।

समस्या सुनने के बाद डीएम ने कहा कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है। इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता से शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायत के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी आवश्यक है। इसका ध्यान रखा जाए। पट्टी यकीन मोहम्मद निवासी महिला ने शिकायत रखी कि उनके पति पूर्ति निरीक्षक थे और 16 जून 2022 को निधन हो गया।

अब तक पारिवारिक पेंशन नहीं बनाई गई है। इस मामले में डीएम ने सख्ती दिखाई। जिला पूर्ति अधिकारी को तलब किया और तत्काल प्रभाव से पत्रावली का अवलोकन कर पेंशन जारी को कहा। मोहल्ला शहबाजपुर निवासी गुलजार अहमद ने जिलाधिकारी के समक्ष शिकायती पत्र दिया कि ग्राम जुनेदपुर तहसील सहसवान में उसके खेत पर जा रहे चकरोड पर गांव के कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। उसने अवैध कब्जा हटाने की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सहसवान को प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिए। मोहल्ला नई बस्ती शहबाजपुर निवासी एक महिला ने शिकायती पत्र दिया कि उसके नाम राशन कार्ड चल रहा था। जिसकी 06 यूनिट दर्ज हैं। वर्तमान में उसको एक भी यूनिट का राशन नहीं मिल पा रहा है। जबकि वह दिव्यांग है। इस पर डीएम ने क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी को चेताया और निस्तारण को कहा।

ग्राम मुड़ारी सिंधारपुर के ऋषिपाल सिंह ने शिकायती पत्र दिया कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा जान बूझकर ट्यूबवेल की लाइन को छेड़ा गया है जिससे पानी उसके खेत पर भर जाता है और फसल नष्ट हो जाती है। जिस पर जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष सहसवान को प्रभावी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। यहां मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, उप जिलाधिकारी सहसवान प्रेमपाल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

टीम से पहले आ गई सूचना, बंद हो गई झोलाछाप की दुकानें

कछला। कस्बा में ही चार दर्जन से ज्यादा झोलाछाप की सजी अवैध दुकानें आम जन के जिंदगी को दांव पर लगा रही हैं। शुक्रवार को शिकायतों के बाद जब स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची तो उनके आने से पहले ही यह सूचना झोलाछापों को मिल गई। टीम खाली हाथ लौटी, क्यों कि दुकानों के शटर गिराकर झोलाछाप गायब हो चुके थे। बता दें कि क्षेत्र में चार दर्जन झोला छाप के अवैध क्लीनिक हैं तो इसमें भी कई ऐसे हैं जिन्हें नाबालिग लड़कें या लड़कियां चला रहे हैं।

किसी न किसी डाक्टर के यहां काम सीखने के बाद वह अपने क्लीनिक को खोल ले रहे हैं। नगर पंचायत कछला क्षेत्र के लगभग 40 गांव हैं। जहां के लोग इलाज के लिए कस्बा में आते हैं और इन्हीं झोला छाप के यहां इलाज कराते हैं। चूंकि सरकारी अस्पताल कहां है इसकी जानकारी अधिकांश को नहीं होती है। ऐसे में जहां डाक्टर का लिखा बोर्ड दिखा वहीं से दवाई ले ली। रोजाना सैकड़ों की संख्या में मरीज पहुंचरहे हैं। बीते दिनों किसी ने इसकी शिकायत सीएमओ के यहां कर दी। टीम बनी और शुक्रवार को छापा मारने की तिथि घोषित हो गई। टीम पहुंची और उसके आने के पहले ही सभी दुकानों के शटर गिर चुके थे।

बैंक मैनेजर और चपरासी घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, हड़कंप

करौंदी बाजार (देवरिया)। सीबीआई लखनऊ की टीम ने शुक्रवार को 3500 रुपये घूस लेते बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर अवस्थी स्थित बड़ौदा यूपी बैंक शाखा के प्रबंधक व प्राइवेट चपरासी को गिरफ्तार कर लिया। केसीसी ऋण देने के नाम पर किसान से पांच हजार रुपये की मांग की थी। दोनों की गिरफ्तारी के बाद बैंक में खलबली मची रही। देर रात तक सीबीआई दोनों से पूछताछ कर रही थी।

बरियारपुर थाना क्षेत्र के लगड़ा गांव के रहने वाले रामभरोसा गुप्ता किसान हैं। उन्होंने अगस्त माह में केसीसी के लिए बड़ौदा यूपी बैंक की शाखा रामपुर अवस्थी में आवेदन किया। पहली किस्त 55 हजार रुपये की खाते में भेज दी गई। इसके बाद एक लाख रुपये खाते में भेजा गया, लेकिन होल्ड कर दिया गया।

देवरिया में दो घंटे के लिए डीएम बनी छात्रा, कुर्सी संभालते ही जनता की सुनी फरियाद : देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने मंगलवार को एक नई पहल की। छात्रा दो घंटे के लिए जिलाधिकारी बन कर डीएम की कुर्सी पर बैठ कर पूरी जनता दर्शन में लोगों की फरियाद सुनी और अधिकारियों को समस्या का निस्तारण करने का निर्देश दिया। छात्रा के आदेश का अधिकारी भी अनुपालन करते हुए दिखे। छात्रा दस बजे कलेक्ट्रेट पहुंची। अधिकारी बनने का पहला अनुभव पाकर एक आत्मविश्वास भी बढ़ा। दो घंटे कामकाज देखने के बाद कर्मचारियों ने घर तक छोड़ा भी। डीएम दिव्या मित्तल ने छात्रा को गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। इसके बाद अपने कुर्सी पर उन्होंने बैठाया।

मौसेरे भाई ने फुफेरी बहन को पेट्रोल डालकर जलाया, हालत गंभीर

बांदा। साथ चलने से मना करने पर मौसेरे भाई ने विवाहित फुफेरी बहन को पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। इससे वह आग का गोला बन गई। किसी तरह नाले में कूदकर उसने अपनी जान बचाई। इस बीच आरोपित जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। स्वजन ने झुलसी महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से चिकित्सकों ने उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर किया है। शहर कोतवाली के एक गांव निवासी 30 वर्षीय महिला की एक मुहल्ले में शादी हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं, लेकिन पति के छोड़ देने से वह अपनी मां के साथ गांव में रहती है। रविवार रात उसका सगा मौसेरा भाई घर पहुंचा।

दुर्गा पूजा के लिए प्रशासन ने कसी कमर, तैयारियां पूरी

घाटों पर की गई खास व्यवस्था

देवरिया। दुर्गा पूजा व प्रतिमा विसर्जन को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। प्रतिमा विसर्जन के दिन हर घाटों पर गोताखोर व नाविक का इंतजाम होगा। साथ ही एंबुलेंस के साथ ही स्वास्थ्य टीम भी तैनात रहेगी। उधर डीएम दिव्या मित्तल ने मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी। शारदीय नवरात्र में मां देवी की प्रतिमाएं रखकर पूजा किया जाता है। तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्र शुरू हो रहा है। दुर्गा पूजा सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन की तरफ से अभी से तैयारी शुरू हो गई है। जगह-जगह पंडाल सजने लगे हैं और मां देवी की प्रतिमा को कलाकार अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। देवी मंदिरों में भी साफ-सफाई हो रही है। इस बीच जिला प्रशासन ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी है।

युवक की पीट-पीट कर हत्या, महिला समेत दो घायल : देवरिया। जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के मुंडेरा गांव में बाइक मांगने को लेकर हुए विवाद में बुधवार की रात युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। जबकि महिला समेत दो लोग घायल हो गए। घायल को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। सीओ समेत अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुंच कर जांच की।

मुंडेरा गांव की रहने वाली शीला पांडेय के बेटे से गांव का ही अखिलेश शाम को बाइक मांगा। जब वह बाइक नहीं दिया तो रात को गांव के 25 वर्षीय संगम मल्ल पुत्र रामायण, अखिलेश शीला पांडेय के परिवार के लोगों से उलझ गए। रात को लोगों ने संगम मल्ल की बेरहमी से पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही अखिलेश व शीला भी मारपीट में घायल हो गईं।

रेलवे स्टेशन पर करंट की चपेट में आए दो मजदूर, हालत गंभीर

देवरिया। सदर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर शेड बनाने के दौरान अचानक ट्रेन चलाने के लिए लगाए गए ओएचई के करंट की चपेट में आने से दो श्रमिक झुलस गए। उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां से एक की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। शाम तक श्रमिक की हालत गंभीर बनी हुई थी। उधर हादसा होने की सूचना के बाद रेल महकमे में खलबली मच गई। सदर रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना में चयन है। इसके तहत सदर रेलवे स्टेशन का कायाकल्प कराया जा रहा है। प्लेटफार्म संख्या दो पर शेड बढ़ाया जा रहा है। रामपुर कारखाना के मधवापुर के रहने वाले विकास यादव व आसिफ भी उसमें कार्य करते हैं। शुक्रवार की दोपहर शेड का कार्य कर रहे थे।

छेड़खानी करने वाले दो आरोपितों को लगी गोली

देवरिया। विद्यालय से परीक्षा देकर साइकिल से घर लौट रही छात्राओं के साथ रास्ते में घेर कर छेड़खानी करने वाले दो शोहदे रविवार की रात करीब 11:30 बजे तरकुलवा थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिए गए। शोहदों के पैर में गोली लगी।

इसके बाद उन्हें देर रात 12 बजे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। सीओ सिटी समेत अन्य अधिकारियों ने मुठभेड़ की सूचना के बाद अस्पताल पहुंच जानकारी ली। तरकुलवा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दो छात्राएं बगल के विद्यालय में आठवीं की पढ़ाई करती हैं। शुक्रवार की सुबह वह विद्यालय में परीक्षा देने के लिए साइकिल से गई थीं। परीक्षा देने के बाद दोनों छात्राएं अपने घर साइकिल से लौट रहीं थी। रास्ते में एक बाइक पर सवार चार युवकों ने दोनों को रास्ते में ही घेर लिया और छेड़खानी करने लगे। किसी तरह शोहदों के चंगुल से छात्राएं भागीं।

चित्रकूट में एक वर्ष पहले लगी महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति में आईं दरारें

पर्यटन विभाग पर उठे कई गंभीर सवाल

चित्रकूट। प्रभु श्रीराम की तपोभूमि में पर्यटन विकास के चल रहे कार्यों की गुणवत्ता पर फिर सवाल उठा है। पिछले दिनों ग्लास स्काई वाक ब्रिज के रैंप की फर्श में दरारें आने का मामला सुर्खियों में रहा, वहीं अब वाल्मीकि आश्रम लालापुर में 20 लाख से महर्षि वाल्मीकि की अष्टधातु से निर्मित मूर्ति में पीछे की ओर दरारें आ गई हैं। इस बार भी पर्यटन विभाग ने लीपापोती शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वर्ष 2020 में वाल्मीकि जयंती पर चित्रकूट के लालापुर स्थित आश्रम आए थे। यहां हवन पूजन के साथ पर्यटन विकास के कार्यों की आधारशिला रखी थी। तब से आश्रम में काम चल रहा है। पहले चरण में सुंदरीकरण के कार्य हुए थे। दूसरे चरण में अक्टूबर 2023 में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति निर्माण के साथ गेट आदि के काम हुए। यहां करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन सुविधा केंद्र और सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण हो रहा है।

झांसी-मीरजापुर हाईवे किनारे स्थित आश्रम में करीब 12 फीट ऊंची महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति लगाई गई है। इसका निर्माण ललित कला अकादमी लखनऊ ने मध्य प्रदेश इंदौर के शिल्पकार महेंद्र कोटवानी से कराया है। चार मार्च 2024 को वर्चुअल रूप से मूर्ति का अनावरण किया गया था। आश्रम के महंत भरतदास ने बताया कि मूर्ति के पीछे दो तीन जगह दरारें आ गई हैं। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी चित्रकूटधाम मंडल अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि ललित कला अकादमी लखनऊ को पत्र लिखा था कि मूर्ति की जांच करा ली जाए। अकादमी ने भी खनन विभाग को धातु के परीक्षण के लिए पत्र लिखा है, लेकिन अभी जांच नहीं हुई है। मूर्ति में उभरे हुए स्थानों पर अतिरिक्त मसाला लगाया गया था जिसमें दरारें आ गई हैं। कारीगर इन दरारों को ठीक कर रहे हैं।

भाभी के प्रेम में अंधा हुआ देवर, एक सप्ताह पहले दोनों हुए थे फरार : ऊंचागांव। भाभी के प्रेम में अंधे हुए देवर ने जहरीला पदार्थ पीकर मौत को गले लगा लिया। युवक की मौत के बाद स्वजन ने पुलिस को बिना सूचना दिए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी न होने की बात कही है। थाना नरसेना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीणों ने बताया कि गांव निवासी एक युवक अपने बड़े भाई की पत्नी को लेकर एक सप्ताह पूर्व फरार हो गया था। स्वजन 28 सितंबर को दोनों को पकड़ कर घर ले आए। जिसको लेकर दोनों भाइयों के बीच कहा सुनी और गाली गलौज हुई। बड़े भाई ने पत्नी के इस कृत्य से क्षुब्ध होकर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, लेकिन स्वजन ने उसे बचा लिया। रविवार की सुबह भाभी के प्रेम में अंधे हुए देवर ने जहरीला पदार्थ पी लिया। स्वजन ने युवक की हालत बिगड़ने पर अमरगढ़ एक निजी चिकित्सक के यहां पहुंचे, सुधार न होने पर युवक को बुलंदशहर के लिए रेफर कर दिया। जब वहां भी उसकी हालत नहीं सुधरी चिकित्सकों ने मेरठ मेडिकल के लिए रेफर कर दिया। सोमवार को युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

यति नरसिंहानंद के बयान पर भड़के मुस्लिम समाज के लोग, प्रदर्शन

बुलंदशहर। सिकंदराबाद नगर क्षेत्र के शेखवाड़ा मोहल्ला स्थित मस्जिद के सामने मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यति नरसिंहानंद के पैगंबर हजरत मोहम्मद पर दिए बयान को लेकर सिर तन से जुदा के नारे लगाए लगाए और हंगामा किया। पुलिस ने भीड़ को भड़काने के आरोप में मस्जिद के मौलवी समेत कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मौके पर पहुंचकर डीएम व एसएसपी ने जायजा लिया।

शुक्रवार की दोपहर नगर की शेखबाड़ा मोहल्ला स्थित हजरत अली शाह मस्जिद के बहार मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्रित हुए और यति नरसिंहानंद सरस्वती द्वारा धार्मिक टिप्पणी को लेकर नारेबाजी करते हुए सिर तन से जुदा के नारे लगाए। इस दौरान उन्होंने धार्मिक नारे भी लगाए। पुलिस के अनुसार मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ को मस्जिद का मौलाना मस्जिद के गेट पर खड़ा होकर भड़काने के आरोप लगे। इसका एक वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हुआ। एक वीडियो में मौलाना मस्जिद के गेट पर खड़े होकर लोगों को संबोधित कर रहा है और लोग नारेबाजी कर रहे है।

इसके बाद लोगों की भीड़ ने यति नरसिंहानन्द की आपत्तिजनक फोटो के साथ तख्तियों को हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की और सिर तन से जुदा के नारे लगाए। लोगों ने यति नरसिंहानन्द के चित्रों को पैरों तले रौंदा गया। प्रदर्शन की सूचना पर स्थानीय पुलिसबल मौके पर पहुंचा। तब तक मस्जिद के सामने से लोगों की भीड़ कम हो चुकी थी। कुछ ही देर में सीओ पूर्णिमा सिंह व एसडीएम रेनू सिंह भी मौके पर पहुंची। साक्ष्य सामने आने पर पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। वहीं सूचना पर डीएम चंद्रप्रकाश सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार मौके पर पहुंचे। ड्रोन की सहायता से आसपास के माहौल का जायजा लिया। डीएम ने बताया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। साक्ष्य मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मीरजापुर में भीषण सड़क हादसा, 10 की मौत, शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

मरने वाले सभी मजदूर, तीन घायल, जीटी रोड पर ट्रक ने ट्रैक्टर में मारी टक्कर, वाराणसी के मिर्जामुराद स्थित दलित बस्ती में दूसरे दिन नहीं जले चूल्हे

मीरजापुर। कछवां थाना क्षेत्र के मिर्जामुराद कछवां बॉर्डर जीटी रोड पर सड़क हादसे में ट्रैक्टर सवार 10 लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 3 लोगों को वाराणसी बीएचयू में भर्ती कराया गया। मृतक मिर्जामुराद इलाके के मजदूर थे। ये सभी भदोही में छत की ढलाई करने के बाद अपने घर जा रहे थे। इस हौलनाक हादसे के बाद इलाके में कोहराम मच गया।

बताया जाता है कि मध्य रात के बाद मजदूर ट्रैक्टर पर अपने घर लौट रहे थे कि ट्रक ने टक्कर मार दी। चूंकि रात का समय था इसलिए घायलों की मदद फौरन नहीं हो सकी और इसके चलते 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में पहुंची कछवां पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी। मध्य रात्रि हुए हादसे की सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। राहत बचाव कार्य प्रारंभ कर किया गया। ट्रैक्टर सवारों में तीन लोग घायल थे। घायलों का इलाज ट्रामा सेंटर वाराणसी में चल रहा है। जहां उनकी स्थिति सामान्य बतायी गयी है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि थाना कछवां पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। मृतकों में वाराणसी मिर्जामुराद निवासी भानू प्रताप पुत्र हीरालाल उम्र 25 वर्ष निवासी रामसिंहपुर, विकास कुमार पुत्र अखिलेश उम्र 20 वर्ष निवासी रामसिंहपुर, अनिल कुमार पुत्र हूबलाल उम्र 35 वर्ष निवासी बीरबलपुर, सूरज कुमार पुत्र हूबलाल उम्र 22 वर्ष निवासी बीरबलपुर, सनोहर पुत्र नन्दू उम्र 25 वर्ष बीरबलपुर, राकेश कुमार पुत्र कन्हैया लाल उम्र 25 वर्ष, प्रेमकुमार पुत्र महंगी उम्र 40 वर्ष निवासी बीरबलपुर, राहुल कुमार उर्फ टिल्लू पुत्र मुन्नालाल उम्र 26 वर्ष, नितिन कुमार पुत्र दौलतराम उम्र 22 वर्ष निवासी बीरबलपुर, रोशन कुमार पुत्र दीनानाथ उम्र 17 वर्ष शामिल हैं। जबकि आकाश कुमार पुत्र नन्दलाल उम्र 18 वर्ष निवासी बीरबलपुर, जमुनी पुत्र सहती उम्र 26 वर्ष निवासी बीरबलपुर व अजय सरोज पुत्र छब्बन उम्र 50 वर्ष निवासी बीरबलपुर गंभीर रूप से घायल हो गए।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व सीएम ने जताया दुख : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत 'बेहद दुखद' है। साथ ही घटना को लेकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने गहरा दुख जताया है। मुर्मू ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा, मीरजापुर में हुए सड़क हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। दुख की इस घड़ी में मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

राहत राशि की घोषणा

कछवा। सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत के मामले की जानकारी होने पर मृतकों को राहत राशि की घोंषणा की गई। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि मृतकों को पीएम सहायता राहत कोष से 2 लाख और मुख्यमंत्री सहायता राहत कोष से 2 लाख रुपए की सहायता दी जायेगी। साथ ही घायलों की भी इलाज के लिए मदद की जायेगी।

एससी-एसटी आरक्षण में सब-कोटे के फैसले पर कायम है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति को मिलने वाले आरक्षण में उप-वर्गीकरण के अपने फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने 1 अगस्त को ही इस संबंध में फैसला दिया था और कहा था कि यदि राज्य सरकारों को जरूरी लगता है कि एससी और एसटी कोटे के भीतर ही कुछ जातियों के लिए सब-कोटा तय किया जा सकता है। इसका एक वर्ग ने विरोध किया था और आंदोलन भी हुआ था। इसके अलावा याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इन पर ही शुक्रवार को सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने विचार करने से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली 7 जजों की बेंच ने कहा कि उस फैसले में ऐसी कोई त्रुटि नहीं थी, जिस पर पुनर्विचार किया जाए। अदालत ने कहा, 'हमने पुनर्विचार याचिकाओं को देखा है। ऐसा लगता है कि पुराने फैसले में ऐसी कोई खामी नहीं है, जिस पर फिर से विचार किया जाए। इसलिए पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज किया जाता है।' जस्टिस बीआर गवई, विक्रम नाथ, बेला एम. त्रिवेदी, पंकज मिथल, मनोज मिश्रा और सतीश चंद्र शर्मा इस बेंच में शामिल थे। अदालत ने कहा कि याचिकाओं में कोई ठोस आधार नहीं दिया गया कि आखिर क्यों 1 अगस्त के फैसले पर कोर्ट को पुनर्विचार करना चाहिए। इन याचिकाओं पर अदालत ने 24 सितंबर को ही सुनवाई की थी, लेकिन फैसला आज के लिए सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं को संविधान बचाओ ट्रस्ट, आंबेडकर ग्लोबल मिशन, ऑल इंडिया एससी-एसटी रेलवे एम्प्लॉयी एसोसिएशन समेत कई संस्थाओं की ओर से दायर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 1 अगस्त को ही 6-1 के बहुमत से फैसला दिया था। इसमें राज्य सरकारों को एससी और एसटी कोटे के सब-क्लासिफिकेशन की मंजूरी दी गई थी। इसके तहत कहा गया था कि यदि इन वर्गों में किसी खास जाति को अलग से आरक्षण दिए जाने की जरूरत पड़ती है तो इस कोटे के तहत ही उसके लिए प्रावधान किया जाता है। अदालत के इस फैसले को दलितों और आदिवासियों के एक वर्ग ने आरक्षण विरोधी करार दिया था। वहीं एक वर्ग इसके समर्थन में भी आया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि दलितों में भी कई जातियां और इस वर्ग को समरूप नहीं माना जा सकता। इसलिए आरक्षण के लिए यदि किसी जाति को खास प्रावधान देने की जरूरत पड़ती है तो वह भी करना चाहिए।

महंगाई भत्ते में 4% की हो सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली। सरकारी कर्मियों और पेंशनरों को नवंबर की सेलरी में डीए/डीआर की दरों में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। दीवाली से पहले महंगाई भत्ते में वृद्धि की घोषणा हो सकती है। गत वर्ष केंद्रीय कैबिनेट ने 18 अक्तूबर को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दी थी। बता दें कि केंद्र सरकार ने 2022 में 28 सितंबर को डीए की दरों में चार फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा की थी। उस वर्ष 24 अक्तूबर को दीवाली थी, इसलिए सरकार ने सितंबर के आखिरी सप्ताह में डीए/डीआर की घोषणा थी। गत वर्ष दीवाली 12 नवंबर की थी तो सरकार ने 18 अक्तूबर को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने का एलान किया था। इस बार दीवाली, अक्तूबर के अंत में या एक नवंबर को मनाई जा सकती है। ऐसे में दशहरे के आसपास केंद्रीय कैबिनेट डीए/डीआर की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव पर मुहर लगने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़, 30 नक्सली हुए ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सलियों के खिलाफ पुलिस ने नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा पर बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया है। इस मुठभेड़ में अब तक नक्सलियों को भारी नुकसान होने की खबर मिल रही है। सूत्रों के अनुसार, अब तक करीब 30 नक्सली ढेर किए जा चुके हैं। नक्सलियों के मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने मुठभेड़ जारी रहने की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि मुठभेड़ में सभी जवान सुरक्षित हैं। नारायणपुर और दंतेवाड़ा की सीमा पर अबुझमाड़ इलाके में जारी इस ऑपरेशन में नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के जवान संयुक्त रूप से भाग ले रहे हैं। मुठभेड़ के साथ साथ जवानों का सर्च अभियान भी जारी है। सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ में करीब 30 नक्सलियों को अब तक जवानों द्वारा ढेर कर दिया गया है। यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। मौके से अङ 47, रछफ सहित कई अन्य हथियार बरामद किए गए हैं। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार जवानों के संपर्क में हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नारायणपुर के अबुझमाड़ के इलाके में प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। लिहाजा लगातार प्रदेश के उच्चाधिकारियों से लेकर बस्तर आईजी पी. सुंदरराज भी पूरे ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं। खबर लिखे जाने तक ऑपरेशन जारी है। इस बीच आईजी ने 28 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि कर दी है।

आदेश की अवमानना की गई है तो जेल

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना की गई है तो अधिकारियों को जेल जाना पड़ेगा। साथ ही अगर बुलडोजर की कार्यवाही गलत पाई गई तो सरकार को उसे दोबारा बनवाना होगा। बता दें कि गिर सोमनाथ स्थित सोमनाथ मंदिर के आसपास के अतिक्रमणों पर प्रशासन ने बुलडोजर कार्यवाही की थी। इस कार्यवाही के खिलाफ पटणी मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 17 सिंबर के आदेश की अवमानना करने का उल्लेख किया गया था। साथ ही गिर सोमनाथ के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने की मांग की गई थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना हुई होगी तो हम उसे पुनर्स्थापित करने का आदेश देंगे, साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों को जेल भी भेजेंगे। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की यथास्थिति बनाए रखने की मांग खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह सरकार की जमीन है और इस पर कार्यवाही का काम 2023 से चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन को ईडी ने भेजा समन, मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

नई दिल्ली। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है। अजहरुद्दीन को ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। अजहरुद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए के अध्यक्ष चुने गए थे, लेकिन जून 2021 में उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। उन पर फंड की हेराफेरी के आरोप में कार्रवाई की गई थी। अजहरुद्दीन के वकील के रमाकांत रेड्डी ने इस मामले में कहा कि यह विडंबना है कि एचसीए के वही सीईओ, जिन्होंने जुलाई 2021 में ऑर्डर दिया था, उन्होंने ही शिकायत दर्ज कराई, जबकि उनका भी निलंबन हो चुका है। उनका आरोप है कि सीईओ अपने निलंबन के कारण अजहरुद्दीन को फंसा रहे हैं।

यह मामला हैदराबाद के उप्पल स्थित राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपए की कथित हेराफेरी से जुड़ा हुआ है। यह पहला समन है जो अजहरुद्दीन को जारी किया गया है। इससे पहले, नवंबर 2023 में, मेडचल मलकाजगिरी जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बी आर मधुसूदन राव ने अजहरुद्दीन को तीन अलग-अलग आपराधिक मामलों में अग्रिम जमानत दी थी। पुलिस ने अजहरुद्दीन और अन्य पर एचसीए स्टेडियम के लिए क्रिकेट बॉल, जिम उपकरण और अग्निशमन यंत्र खरीदने में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है।

वकील कोंडा कृष्णा ने कहा था कि अजहरुद्दीन को केवल इस कारण आरोपी बनाया गया है कि वह एचसीए के अध्यक्ष थे। उन्होंने बताया कि 3.5 करोड़ रुपए के काम के लिए टेंडर आवंटित किया गया था, जो समय पर पूरा नहीं हुआ। वहीं, सरकारी वकील बुची रेड्डी ने कहा कि भुगतान किया गया था जबकि काम पूरा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि ऑडिट से यह साफ हो जाता है कि एचसीए के रुपयों का दुरुपयोग किया गया।

नवविवाहिता को एसपी ऑफिस से उठा ले गए

शौर्य न्यूज इंडिया

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां ऑनर किलिंग के डर से नवविवाहित जोड़ा अपनी फरियाद लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंचा लेकिन उसके परिजन जबरन उसे उठाकर अपने साथ ले गए। जब पुलिस को इसकी भनक लगी तो उन्होंने लड़की के परिवार वालों से संपर्क किया और सभी को थाने बुलाया। इसके बाद सभी के बयान दर्ज किए गए। जब लड़की का बयान लिया गया तो उसने कहा कि कुछ गलतफहमी हो गई थी। वह अपनी मर्जी से परिवार वालों के साथ दादी को देखने गई थी। इसके बाद पुलिस ने युवती को उसके पति के साथ ससुराल भेज दिया। बता दें, सना (24) ने अपने प्रेमी सुहैल से शादी की थी लेकिन इस शादी से परिवार वाले खुश नहीं थे। एजेंसी

उसे परिजनों से जान का खतरा महसूस हुआ तो वह पुलिस से सुरक्षा मांगने एसएसपी ऑफिस पहुंची थी। सना को डर था कि उसकी शादी से नाराज परिजन कोई अनहोनी न कर दें। गुरुवार को सना अपने पति सुहैल के साथ बुलंदशहर के एसएसपी ऑफिस सुरक्षा की गुहार लेकर पहुंची थी। दोनों की शादी दो दिन पहले हुई थी। सना के एसएसपी ऑफिस पहुंचने की खबर जब उसके परिजन को लगी तो वह भी वहां पहुंच गए और सना को घर चलने के लिए कहा वह नहीं मानी तो और जबरन उसे गाड़ी पर बैठाकर ले गए।

गोंडा में बोलेरो पेड़ से टकराई, चार की मौत : इटियाथोक, गोंडा। क्षेत्र के खरगूपुर मार्ग पर बेंदुली मोड़ के पास गुरुवार की देर रात अनियंत्रित बोलेरो सड़क किनारे पेड़ से टकराकर गहरी खाई में गिर गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस ने जेसीबी की मदद से वाहन को खाई से बाहर निकलवाया। आनन-फानन में चारों युवकों को डायल एंबुलेंस से गोंडा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने चारों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बेंदुली मोड़ एक्सीडेंटल जोन बना हुआ है।यहां आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे है।

जिनको घंटे व शंख से परेशानी वो अपने कान बंद कर लें : योगी

कैथल। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कैथल और जींद में आयोजित जनसभाओं में योगी ने सनातन संस्कृति और कांवड़ यात्रा को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को घंटे और शंख की आवाज से परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और घर में रहें। योगी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा में डीजे, घंटा और घड़ियाल बजते रहेंगे, और अगर कोई इसमें बाधा डालने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म से नफरत करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया। योगी ने कहा कि कांग्रेस देश को नशे की ओर धकेलना चाहती है और इसके नेता नशे के कारोबार में लगे हुए हैं। उन्होंने नशे के कारोबारियों की तुलना पौराणिक दानव चंड-मुंड और महिषासुर से की। जींद में योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले कांवड़ यात्रा को बाधित किया जाता था, लेकिन उनकी सरकार ने इसे पूरी स्वतंत्रता से चलने दिया।

उन्होंने कहा, कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा और घड़ियाल भी बजेगा। जिन लोगों को इससे परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और अपने घरों में रहें। योगी आदित्यनाथ ने डबल इंजन की सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने विरासत के सम्मान के साथ-साथ विकास का कार्य भी किया है। उन्होंने बताया कि हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसें और शैक्षणिक संस्थान जनता को दिए गए हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस सिर्फ खटाखट वाली सरकार थी, जिसने देश को सफाचट कर दिया।

पाकिस्तान जाएंगे विदेश मंत्री जयशंकर, होगी चर्चा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान जाएंगे। वे इस्लामाबाद में एससीओ के काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की बैठक में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी है। यह 9 साल में पहली बार होगा जब भारत का कोई मंत्री पाकिस्तान जाएगा। विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जायसवाल से सवाल किया गया कि क्या जयशंकर की यात्रा भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने की कोशिश है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि भारत एससीओ चार्टर को लेकर प्रतिबद्ध है। जयशंकर की यात्रा का यही कारण है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान ने 29 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मीटिंग के लिए न्योता दिया था।

लड्डू मामले की जांच करेगी सीबीआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू प्रसाद में कथित तौर पर पशु की चर्बी मिलावट मामले में अहम फैसला लिया है। आंध्र प्रदेश सरकार पहले से ही एसआईटी के जरिए से इस मामले की जांच कर रही थी, लेकिन अब इस जिम्मेदारी को सीबीआई को सौंपा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र एसआईटी का गठन किया है, जिसमें दो सीबीआई अधिकारी, दो आंध्र पुलिस के अधिकारी और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी को शामिल किया गया है। इस जांच की निगरानी सीबीआई निदेशक करेंगे।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसले सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमने स्वतंत्र एसआईटी का गठन किया है क्योंकि तिरुपति प्रसाद से करोड़ों भक्तों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। इससे पहले, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि राज्य-एसआईटी में कोई समस्या नहीं है और इसे केंद्रीय अधिकारी द्वारा निगरानी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक ड्रामा के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे और सभी याचिकाओं का निपटारा करते हुए आंध्र प्रदेश द्वारा गठित एसआईटी की जगह केंद्रीय एसआईटी को स्थापित करने का आदेश दिया है। पिछली सुनवाई में, सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से पूछा था कि क्या राज्य सरकार की एसआईटी पर्याप्त है या फिर किसी स्वतंत्र एजेंसी को जांच सौंपी जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि राज्य की जांच पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन निगरानी के लिए केंद्रीय नेतृत्व को शामिल किया जाना चाहिए।

तिरुपति मंदिर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने जानकारी दी कि सेवा कर विभाग ने बताया है कि संबंधित सामान मूल आपूर्तिकर्ता द्वारा आपूर्ति नहीं किया गया था। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जरुरत पर जोर दिया। यह कहते हुए कि यदि सीएम नायडू ने बयान नहीं दिया होता तो मामला अलग होता। यह मामला भक्तों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है और इस पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी से जांच की उम्मीद है कि इस विवाद का जल्द समाधान किया जा सके।

अयोध्या में नर्मदा के शिवलिंग स्थापित होंगे

शौर्य न्यूज इंडिया

अयोध्या। शारदीय नवरात्र के शुभ मुहूर्त में राम मंदिर के शिखर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके साथ रामलला की मूर्ति के साथ-साथ नर्मदा नदी से लाए गए पांच शिवलिंगों में से एक को मंदिर परिसर में बन रहे भव्य शिव मंदिर में स्थापित किया जाएगा। यह शिव मंदिर राम जन्मभूमि मंदिर के परकोटे के ईशान कोण (उत्तरी पूर्वी कोने) पर तैयार हो रहा है।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर महासचिव चंपत राय ने कहा, राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के समय शिखर बनकर तैयार नहीं हुआ था, क्योंकि तब मंदिर का ग्राउंड फ्लोर ही तैयार था। अब जब निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, तब अभिजीत मुहूर्त में शिखर निर्माण कार्य शुरू किया गया है। दर्शनार्थियों को केवल रामलला के दर्शन ही नहीं, बल्कि भगवान शिव के भव्य मंदिर में भी दर्शन का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि नर्मदा से आए पांच शिवलिंगों में से तीन का चयन कर इन्हीं में से किसी एक को शिव मंदिर में स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, राय ने बताया कि मार्च 2020 में टेंट से निकालकर राम लला को अस्थायी मंदिर में स्थानांतरित किया गया था। वर्तमान समय में हनुमान जी की एक प्रतिमा वहां विराजमान है।

अब इस स्थान को सुरक्षित और दर्शनीय बनाने का निर्णय हुआ है, और यहां नियमित पूजन आरती और भोग राग की व्यवस्था होगी। सप्त ऋषियों के मंदिर का निर्माण कार्य भी जारी है, और सभी निर्माण कार्यों को 2025 तक पूर्ण करने की योजना है। इस समयसीमा के भीतर, राम भक्तों को राम मंदिर के दर्शन के साथ-साथ शिव मंदिर के दर्शन का लाभ भी मिलेगा।

युवक को पीटा, लड़की से रेप

पुणे। पुणे के एक सुनसान इलाके में देर रात तक बॉयफ्रेंड के साथ घूमना एक लड़की को भारी पड़ गया। 21 साल की पीड़िता अपने दोस्त के साथ रात में सुनसान जगह पर थी तभी तीन लड़के आए और उन्होंने लड़की के दोस्त की पिटाई की और लड़की को उठा ले गए। तीनों ने बारी बारी से रेप किया,इसके बाद फरार हो गए। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गैंगरेप की इस घटना पर सुप्रिया सुले ने चिंता जाहिर की है। एनसीपी की सुप्रिया सुले ने पुणे की घटना के बाद महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, लगातार महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहा है। गृह मंत्रालय इनको रोकने में नाकाम रहा है। महाराष्ट्र महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं ऐसा कहना पड़ेगा। दोषियों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाए। पीड़ित के दोस्त ने लड़की को देर रात अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, लड़की अभी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस की टीम भी अस्पताल पहुंच चुकी है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने कहा कि उसे सुबह पांच बजे इस गैंगरेप की जानकारी मिली है। लड़की से गैंगरेप करने वाले वे तीनों दरिंदे कौन थे, उसकी डिटेल भी सामने नहीं आई है। फिलहाल, पुलिस लड़की के दोस्त से पूछताछ कर रही है और गैंगरेप की गुत्थी को सुलझाने की कोशिश कर रही है।पुणे पुलिस के मुताबिक, पीड़ित लड़की और उसका दोस्त दोनों कॉलेज स्टूडेंट हैं। लड़की जलगांव की रहनेवाली है, जबकि उसका दोस्त सूरत का रहने वाला है। दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं और रात के वक्त वे दोनों घूमने गए थे। उसी वक्त सुनसान जगह पर तीन लड़कों ने उन्हें घेर लिया। उन तीनों ने पहले मारपीट की, उसके बाद लड़की का गैंगरेप किया। पुणे पुलिस और क्राइम ब्रांच की कई टीमें आरोपियों की तलाश में है। पुणे और आस-पास के इलाको में छापेमारी भी हो रही है।

बैंक खाते में दर्ज कराएं उत्तराधिकारी का नाम, नहीं तो....

खाताधारक की मौत पर खाते में जमा रकम या लॉकर में रखी चीजें मिलती है नॉमिनी को, हो सकती है काफी परेशानी

वाराणसी। आमतौर पर हर शख्स का बैंक खाता होता है। बैंक लॉकर की सुविधा का भी लोग लेते हैं। तमाम लोग शेयर मार्केट में भी पैसा निवेश करते हैं। तरह-तरह के बीमा भी लोग करवाते हैं। होता है कि अक्सर लोग बैंक या डाकघर में खाता खोलते समय, एफडी करते समय, शेयर बाजार में पैसा निवेश करते समय या फिर बीमा करवाते समय अपने खाते में नॉमिनी करवाना भूल जाते हैं। ऐसा करने वाले खाताधारक के परिवार उस समय परेशान होते हैं, जब खाताधारक की असामायिक या स्वाभाविक मौत हो जाती है। खाताधारक के मौत के बाद आश्रित को पैसा पाने के लिए तमाम तरह के पापड़ बेलने पड़ते हैं। हालांकि इन दिनों भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश पर खाताधारकों को इस बारे में अलर्ट किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि वे अपने खातों में नॉमिनी समय रहते अवश्य करा लें। दरअसल, विभिन्न प्रकार के खातों और बीमा कराते समय खाताधारक उसे नॉमिनी बनाता है, जिसे खाताधारक की मौत के बाद आसानी से पैसे मिल सके। नॉमिनी में परिवार का सदस्य या दोस्त या जानकार यानी कोई भी हो सकता है। यहां यह बताना समाचीन होगा कि खाताधारक जब चाहे, अपने खाते से नॉमिनी का नाम बदल सकता है। काफी लोग नॉमिनी के तौर पर किसी संस्था का भी नाम लिखवा देते हैं। नॉमिनी वसीयतनामे से बिल्कुल अलग है। वसीयतनामे में वह शख्स खाताधारक की संपत्ति का मालिक हो जाता है, जबकि नॉमिनी जरूरी नहीं कि मालिक हो। बैंकिंग सूत्रों की माने तो नॉमिनी, खाताधारक की संपत्ति का मालिक नहीं, बल्कि केयरटेकर होता है। नॉमिनी अगर खाताधारक की संपत्ति का कानूनी तौर पर अकेला वारिस है तो वह उस संपत्ति को अपने पास रख सकता है। वहीं अगर कानूनी वारिस नहीं है तो उसकी जिम्मेदारी है कि वह उस संपत्ति को मृतक के कानूनी वारिसों में बांट दे। जानकारों का कहना है कि खाताधारक की मौत के बाद बैंक या दूसरे वित्तीय संस्थान खाते में जमा रकम नॉमिनी को दे देते हैं। इसके बाद नॉमिनी की जिम्मेदारी है कि वह उस रकम को मृतक के वारिसों तक पहुंचाए। अगर वह रकम उन्हें नहीं पहुंचाता है तो यह मामला नॉमिनी और मृतक के वारिसों के बीच का हो जाता है। यहां बैंक या दूसरे वित्तीय संस्थानों की कोई भूमिका नहीं रहती।

वित्तीय निवेश के जानकारों का कहना है कि बैंक खाता, पॉलिसी, इंश्योरेंस, डीमैट अकाउंट, लॉकर, एफडी आदि में नॉमिनी का नाम जरूर लिखवाना चाहिए। वैसे तो नॉमिनी के तौर पर किसी भी शख्स का नाम लिखवा सकते हैं। लेकिन जानकार कहते हैं कि खाताधारक के निधन के बाद परिवार के लोग कानूनी चक्कर में न पड़ें। लिहाजा, बेहतर है कि उसी शख्स का नाम लिखवाएं, जो कानूनी वारिस हो। अगर खाता खुलवा लिया है और नॉमिनी का नाम नहीं लिखवाया है तो अब भी नाम लिखवा सकते हैं। खाते में एक से ज्यादा नॉमिनी का भी नाम लिखवा सकते हैं। इसके लिए बैंक एवं दूसरे वित्तीय संस्थान बराबर अपने ग्राहक को सूचित भी कर रहे हैं। इसके लिए केवाईसी कराना आवश्यक है। केवाईसी के माध्यम से खातों में नॉमिनी का नाम जुड़वा सकते हैं। ऐसा करने से खाताधारक और उनके नॉमिनी की सही पहचान हो सकती है।

खातों में नॉमिनी न होने पर होना पड़ सकता है परेशान

वित्तीय निवेश के जानकारों का कहना है कि खातों में नॉमिनी न होने की वजह से बैंक, डाकघर या बीमा कंपनी मृतक की रकम को उसके परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देगी। बैंक, डाकघर य बीमा कंपनी लीगल वारिस के लिए न्यायालय की तरफ से जारी पेपर मांग सकता है। इतना ही नहीं, कई बार कोई दूर का रिश्तेदार या अनजान शख्स भी खुद को मृतक का वारिस घोषित कर देता है तो ऐसे में मामला और उलझ जाता है। दूसरी तरफ, यदि परिवार के सदस्यों में आपसी कलह हो जाए तो मामला कोर्ट तक चला जाता है। इसका फैसला होने में कई महीने या कई साल तक लग सकते हैं। खाताधारक के परिवार के सदस्य किसी कानूनी लफड़े में न फंसें। इसलिए भलाई इसी में ही है कि खाताधारक तत्काल अपने खाते में कानूनी वारिस का नाम नॉमिनी के तौर पर लिखवाएं।

नगर की विद्युत आपूर्ति में गड़बड़ी पर ऊर्जामंत्री ने एमडी को लगाई फटकार

वाराणसी। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा शुक्रवार को जल निगम के फील्ड हॉस्टल 'संगम' से वाराणसी की विद्युत व्यवस्था की शुक्रवार को वर्चुअल समीक्षा की। उन्होंने बनारस की विद्युत आपूर्ति में आ रही गड़बड़ी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. (पूर्वांचल-डिस्कॉम) के एमडी शंभु कुमार को जमकर फटकार लगाई और कहा कि विगत ढाई वर्षों से बनारस जैसे वैश्विक शहर की विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई और आपूर्ति को लेकर समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने गड़बड़ी करने वाले, विद्युत आपूर्ति के प्रावधान पर और कार्यों में शिथिलता व लापरवाही बरतने वाले विद्युत कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बनारस शहर के सभी ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर, जर्जर पोल, विद्युत लाइनों को तत्काल बदलने को कहा। निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति को लेकर कहीं से भी कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाराणसी की विद्युत व्यवस्था को कटौती मुक्त बनाना है। इसके लिए जो भी आवश्यक हो, हर संभव प्रयास किए जाएं। विद्युत व्यवधानों को कम करने के लिए विद्युत उपकरणों, ट्रांसफॉर्मर, पोल, लाइन, मीटर, फ्यूज आदि की कमी न होने पाएं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बनारस की विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिए 1500 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। फिर भी परिणाम धरातल पर नहीं आ रहा। विद्युत व्यवस्था के लिए पैसा भरपूर दिया जा रहा है। आपूर्ति और व्यवस्थापन को मजबूत करने के लिए ठोस प्रयास किये जाए। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि आजमगढ़ के बहादुरपुर गांव में 10 केवीए का ट्रांसफॉर्मर जलने से वहां की विद्युत व्यवस्था कुछ दिन पहले खराब हुई थी, जिसके लिए ग्रामीणों ने आंदोलन किया था। साथ ही श्रावस्ती के विधायक ने भी शिकायत की है कि उनके स्वयं के घर में भी पांच दिन से लाइट नहीं आ रही है। उन्होंने विद्युत कार्मिकों को नगर निकाय के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने और विधिवत कनेक्शन देने के भी निर्देश दिए और यह भी सख्त हिदायत दी कि किसी भी पोल में करंट नहीं उतरना चाहिए। त्योहारों का समय है। नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, छठपूजा आदि महत्वपूर्ण त्यौहार सामने हैं। श्रद्धालुओं को अंधेरे में आना-जाना न पड़े। लिहाजा, मार्ग प्रकाश व्यवस्था सही हो। वर्चुअल बैठक में यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार, पूर्वांचल-डिस्कॉम के एमडी शंभू कुमार, बनारस के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता समेत अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बनारस के 80 प्रतिशत ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड : वर्चुअल समीक्षा के दौरान पूर्वांचल-डिस्कॉम के एमडी शंभू कुमार ने ऊर्जा मंत्री को बताया कि बनारस में 80 प्रतिशत ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड हैं। वर्ष 2024-25 में बिजनेस प्लान के तहत 535 जगहों पर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ाई गई। 303 जगहों पर 250 केवीए के नये ट्रांसफॉर्मर लगाये गये। 94 स्थानों पर जर्जर लाइनों का सुदृढ़ीकरण किया गया।

बकाये बिल पर 15 दिन में कनेक्शन काटने का प्रावधान

वाराणसी। दिनेश (बदला हुआ नाम) नामक उपभोक्ता के मोबाइल पर विद्युत विभाग का मैसेज आया। मैसेज में लिखा था-आपका बिल इतने का है। यदि आप निर्धारित समय पर बिल अदा नहीं करेंगे तो आपकी बिजली काट दी जाएगी। उपभोक्ता को जिस तारीख को मैसेज मिला, उसके महज तीन-चार दिन के भीतर कनेक्शन काटने की धमकी भी विद्युत विभाग की तरफ से मिल गयी। जबकि विद्युत अधिनियम में बकाये बिल पर 15 दिन में कनेक्शन काटने का प्रावधान है। ऐसे में नियमों से अनजान उपभोक्ता परेशान हो जाता है और समय पर बिल अदा न करने पर उसका कनेक्शन काट दिया जाता है। दरअसल, बिजली कंपनियां विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 56 का उल्लंघन कर रही हैं। बिजली कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में विलंब होने पर तीन, चार, पांच या सात दिन की नोटिस दे रही हैं जबकि नियम के अनुसार यह नोटिस 15 दिन का होना चाहिए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने विद्युत अधिनियम के प्रावधान का उल्लंघन करने का विरोध करते हुए नियम का पालन करने की मांग की है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. के प्रबंध तंत्र से शिकायत दर्ज करायी है कि बिल जमा करने में होने वाले विलंब पर बिजली कंपनियां देय तिथि से सात दिन के भीतर कनेक्शन काटने की नोटिस उपभोक्ताओं को जारी कर रही हैं। जबकि नियम के अनुसार 15 की नोटिस होना चाहिए। बिजली कंपनियां विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 56 का खुला उल्लंघन कर रही हैं। उपभोक्ता परिषद का कहना है कि विद्युत अधिनियम 2003 की इस धारा के तहत बिल बकाया होने पर किसी भी विद्युत उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन काटने का अधिकार तभी होगा, जब देय तिथि के 15 दिन तक भुगतान नहीं होगा।

13 छात्रों का निष्कासन बीएचयू की तानाशाही

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू की छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के खिलाफ आवाज उठाने वाले विश्वविद्यालय के 13 छात्रों को बीएचयू प्रशासन द्वारा निलंबित करने के खिलाफ वाराणसी के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के पुराने छात्र नेताओं की बैठक शुक्रवार को भारत माता मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में छात्र नेताओं ने कहा कि अन्याय के खिलाफ अब आवाज उठाना भी मुश्किल हो गया है। इस बैठक में सभी ने छात्र नेताओं ने कथित दुष्कर्म के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों के निलंबन की करवाई को तानाशाही और शर्मनाक करार देते हुए इस आदेश को तुरंत वापस लेने की मांग की। सभी ने एक स्वर में बीएचयू की कार्रवाई की निंदा की और यह चेतावनी दी कि यदि यह निलंबन वापस नहीं होता है तो वह एक बड़े आंदोलन को बाध्य होंगे। बैठक में काशी विद्यापीठ, संपूर्णानंद, बीएचयू समेत अन्य महाविद्यालयों के छात्रा नेता शामिल थे।

'सड़कों की लाइटें ठीक करें'

वर्चुअल बैठक कर की नगर निगम के कार्यों की समीक्षा

वाराणसी। काशी की स्ट्रीट लाइटों के नहीं जलने पर नगर विकास मंत्री ने जहां अधिकारियों की क्लास लगाई ,वहीं ई.ईएस.एल. के खराब पड़े स्ट्रीट लाइटों के बनने में देर की स्थिति पर जवाब मांगा है। इसको लेकर नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने शुक्रवार को आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत नगर निगम की वर्चुअल समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने काशी में ई.ईएस.एल. के खराब पड़े स्ट्रीट लाइटों सहित अन्य सभी लाइटों को ठीक नहीं किये जाने पर जहां नाराजगी जाहिर की ,वहीं कम्पनी के उच्च अधिकारियों से शीघ्र भ्रमण कर उसे तत्काल पूरे शहर को प्रकाशमय करने का निर्देश दिया। इस दौरान नगर विकास मंत्री ने नगर आयुक्त अक्षत वर्मा से आगामी दुगार्पूजा, दशहरा एवं दीवाली पर्वों पर नगर की सफाई में लापवाहीं नहीं रखने, व्यवस्था उत्कृष्ट किये जाने के साथ नियमित रूप से सभी स्थानों पर कूड़े का उठान किये जाने को कहा। उन्होंने नव विस्तारित क्षेत्रों का हाल पूछा और सड़क निर्माण की प्रगति के बारे जानकारी ली। जिस पर महापौर अशोक कुमार तिवारी ने सुझाव दिया कि सीवर एवं पेयजल लाईन के डालने के बाद सड़क बनायी जाय तो सड़कें काफी दिन तक खराब नही होगी। इस दौरान मंत्री के साथ शासन स्तर से प्रमुख सचिव अमृत अभिजात, निदेशक स्थानीय निकाय अनुज झा, ई.ई.एस.एल. के अधिकारी शामिल रहे, वहीं नगर निगम से महापौर अशोक कुमार तिवारी, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, अपर नगर आयुक्त दुष्यन्त कुमार मौर्य, राजीव कुमार राय, सविता यादव सहित समस्त अधिकारी उपस्थित थे।

निर्देश

लाइट्स को दुरुस्त करने में हुई देरी की वजह नगर विकास मंत्री ने तलब की

नए विद्यार्थियों को नवंबर में मिलेगा 'एनरोलमेंट'

वाराणसी। बीएचयू में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में यूजी-पीजी सहित अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब छात्र-छात्राओं को एनरोलमेंट नंबर यानी पंजीयन संख्या आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अगले महीने यानी नवंबर में सभी छात्रों को एनरोलमेंट नंबर मिल जाएगा। इसके लिए वेबसाइट पर फॉर्म अपलोड कर दिया गया है। फॉर्म 26 अक्टूबर तक भरना होगा। इसके बाद से कक्षाबार विश्वविद्यालय की ओर से छात्रों को नंबर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय में इस बार यूजी-पीजी सहित अन्य पाठ्यक्रमों में 17 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने दाखिला लिया है। विवि के नियमानुसार प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को एनरोलमेंट नंबर जारी किया जाता है। इसकी जरूरत परीक्षा फॉर्म भरने, पुस्तकालय कार्ड बनवाने, परिचय पत्र बनवाने सहित अन्य कार्यों में होती है। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब परीक्षा विभाग की ओर से एनरोलमेंट फॉर्म भरवाएगा। परीक्षा नियंता कार्यालय की ओर से इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है।

छात्र बीएचयू की वेबसाइट पर जाकर स्टूडेंट्स पोर्टल पर क्लिक करेंगे। इसके बाद एनटीए की ओर से मिले एप्लीकेशन नंबर, जो प्रवेश परीक्षा के समय मिला था, उसे भर कर पंजीकरण करना होगा। इसके बाद एनरोलमेंट फॉर्म भरना होगा। फॉर्म 26 अक्टूबर तक ऑनलाइन भरना होगा।

बीएचयू में बैडमिंटन मैट से लेकर जांच मशीन तक की खरीद में 'खेल'

वाराणसी। बीएचयू में अस्पताल में मरीजों के इलाज में जरूरी सामान से लेकर विश्वविद्यालय में खेल के सामान (बैडमिंटन मैट)आदि की खरीदारी में गड़बड़झाला सामने आया है। नियमानुसार जेम पोर्टल से खरीदारी करने के बजाय 9 .72 करोड़ रुपये के सामान अन्य दूसरी फर्मों से खरीदे गए हैं। कैग की ऑडिट में यह बात सामने आई है। लखनऊ स्थित भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग की ओर से वर्ष 2024 की जारी रिपोर्ट में इस गड़बड़ी का जिक्र है। विश्वविद्यालय में जो भी सामान खरीदा जाता है, उसे नियमानुसार जेम पोर्टल से खरीदना होता है। वर्ष 2024 में कैग की ओर से 2019-20 से 2021-22 तक के खरीद से जुड़े लेखा अभिलेखों की जांच की गई। इसके बाद रिपोर्ट तैयार कर शिक्षा मंत्रालय को भेजी गई है। लेखा परीक्षा और लेखा विभाग की ओर से बनाई गई रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस योजना के तहत स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने की योजना बनाई गई थी। विश्वविद्यालय के सीपीओ द्वारा ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर 11 मुख्य वस्तुओं और तीन अतिरिक्त वस्तुओं की खरीद के लिए निविदाएं आमंत्रित की गईं। इसमें बिना वित्तीय मूल्यांकन के भी ऊंचे दर पर एक फर्म से सामान खरीदा गया। करीब 1.51 करोड़ की अतिरिक्त वस्तुओं की खरीद की गई ।विश्वविद्यालय में वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक खरीदारी की रिपोर्ट में खेल विभाग में बैंडमिंटन कोर्ट-मैट, बास्केटबॉल, इलेक्ट्रिक आइटम, जियोफिजिक्स डिपार्टमेंट में जांच की मशीन की खरीदारी भी शामिल हैं। इसके अलावा आईएमएस बीएचयू के बायोकेमिस्ट्री में लेजर फ्लो साइटोमीटर, ट्रॉमा सेंटर में पीपीई किट, हेयर कैप, मास्क, ग्लव्स, कार्डियोलॉजी विभाग में ऑनलाइन यूपीएस, गैस्ट्रोलॉजी में इलेक्ट्रो सर्जिकल यूनिट, माइक्रबायोलॉजी में लैपटॉप, सर सुंदरलाल अस्पताल अधीक्षक कार्यालय में कूलर, फ्रिज, ईसीजी मशीन, डेस्कटॉप, यूपीएस, लेजर प्रिंटर खरीदने का जिक्र है।

'भूमि माफिया ने की साजिश'

शिवपुर व सारनाथ की जमीन पर कब्जा करना चाहते थे

वाराणसी। कबीर मठ मूलगादी के महंत विवेक दास ने कहा कि कतिपय भूमाफिओं ने साजिश के तहत मुझे जेल भेजवा दिया। भूमाफिया शिवपुर व सारनाथ स्थित जमीन पर कब्जा करना चाहते थे। इसी के चलते मुझे जेल भेजवा दिया। इससे मेरी योजनाएं रुक गईं। विवेक दास शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कहा कि कबीर साहब ने यहीं से पक्ति आन्दोलन की शुरूआत की थी। यह मक्ति आन्दोलन देश के कोने-कोने में फैलाया। इसलिए भी इस भक्ति आन्दोलन में 300 से अधिक गरीब, दलित, पीड़ित और उपेक्षित परम्परा के लोग शामिल होकर कबीर साहब की विचारधारा को जन-जन में पहुंचाने और फैलाने का काम किया। इसी वजह से कबीरपंग की परम्परा देश और दुनिया में स्थापित है। कबीरमठ मूलगादी के पास अकूत भू-संपदा है। इन्हीं भू-संपदाओं को उचाने के लिए और मठ की परम्परा का इतिहास बचाने के लिए पीठ के पूर्व महंत ने कबीर मठ की गहरी मुझे सौपी गी। सारनाथ में 12 एकड़ परिसर मठ के पास है और शिवपुर के कादीपुर में आठ एकड़ भूमि का परिसर है। शिवपुर में बहुत पहले से कबीर सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल की परियोजना थी। जिसे मैंने कई कम्पनियों से इसके निर्माण के लिए अनुबन्ध किया था, लेकिन किन्हीं कारणों से हॉस्पिटल की शुरूआत नहीं हो सकी और यह परियोजना अघर में रह गई। सारनाय के 12 एकड़ परिसर में 300 से अधिक संतों की विचारधारा से जुड़े, जिन संतों ने कबीरसाहब की विचारधारा को जन-जन में पहुंचाने का काम किया है, उन्हीं संतों के नाम से कवीर संत विद्यापीठ की परियोजना चल रही थी। इसी बीच भूमि माफियाओं ने साजिश के तहत शिवपुर और सारनाथ की जमीनों को कब्जा करने के लिए मुझे जेल भिजया था। जेल जाने से उपरोक्त हमारे दोनों परियाजनाएँ थम गई और मैं चार माह तक जेल के कटघरे में बन्द रहा। अब मैं जेल से बाहर निकल आया हूँ। फिर से इन दोनों परियोजनाओं पर पहल करने क प्रयास कर रहा हूँ लेकिन इस दौर में मेरी तबियत ज्यादा खराब हो गयी थी। फिलहाल तबीयत ठीक होते है इन दोनों परियोजनाओं पर अवश्य ही काम करेंगे। इसलिए कि इन दोनों भूमि के परिसर पर भू-माफियाओं बुरी नजर है। कुछ सार्थक निर्माण से ही इन दोनों जमीन के परिसरों की रक्षा हो सकेगी। मेरे न रहने पर बड़ा काम कोई संत या आचार्य कर पाएगा कि नहीं; मुझे विश्वास नहीं है।

यूपी में महिलाएं हैं असुरक्षित : रीबू

वाराणसी (रौशनी)। समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव ने मासिक बैठक में कहा कि प्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, बलात्कार और हत्या जैसे घिनौने अपराध को रोकने में योगी की सरकार पूरी तरफ नाकारा साबित हुई है। बैठक में प्रदेश सचिव संगीता पटेल, जिला अध्यक्ष शशि यादव, विधानसभा अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष रीना यादव, जिला सचिव शशि कला, पिंडरा विधानसभा अध्यक्ष मालती पटेल, विधानसभा अध्यक्ष अजगरा मुन्नी देवी, विधानसभा महासचिव रुखसाना बेगम, प्रदेश सचिव प्रमिला यादव, जिला उपाध्यक्ष अंजू सिंह, शकुंतला सिंह, प्रियंका यादव आदि लोगों उपस्थित थे।

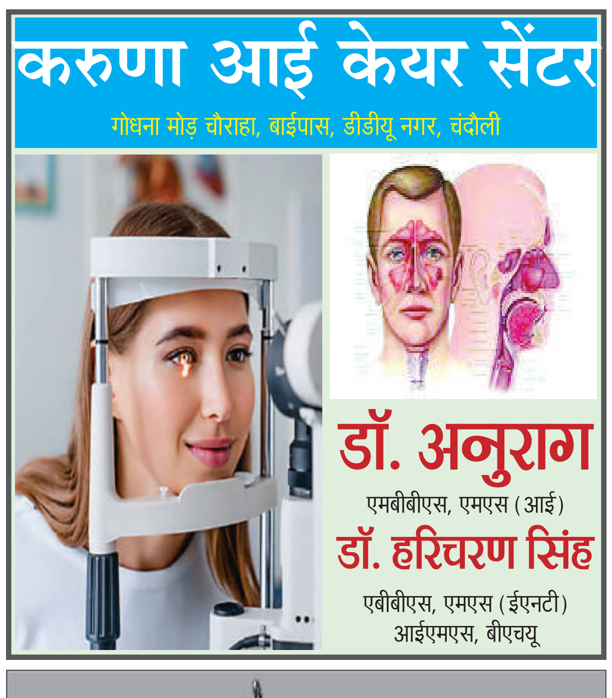

व्यापारी नेटवर्क ने लॉन्च की चौथी टीम वरुणा

रिम्मी कौर

वाराणसी। रथयात्रा स्थित स्वास्तिक सिटी सेंटर के पिंड बलूची बैंक्वेट में व्यापारी नेटवर्क की चौथी टीम, वरुणा को धूम धाम से लॉन्च किया गया। इस अवसर पर बनारस के कई प्रतिष्ठित व्यापारी गण उपस्थित रहे।

व्यापारी नेटवर्क के संस्थापक अपूर्व मित्तल ने सभा में उपस्थित सभी व्यापारियों को बताया की व्यापरी नेटवर्क एक बनारसी संगठन है, जहां आप और हम जैसे व्यापारी मिलते हैं अपने व्यापारी कनेक्शन को बढ़ाने के लिए। व्यापारी आपस में जुड़ के काम करेंगे तो उनका व्यापार और मजबूती से बढ़ेगा। मुख्य अतिथि भारती मधोक ने व्यापारियों का उत्साह वर्धन करते हुए व्यापारी नेटवर्क की सराहना की। उन्होंने अपने शिक्षा के क्षेत्र में अपने जीवन के संघर्षों को सभी से सांझा किया। सह संस्थापक सुश्री स्वाति मित्तल ने बताया की नेटवर्किंग की दुनिया में पहली बार, व्यापारी नेटवर्क, केवल महिला उद्यमियों के लिए भी एक टीम बनाने की तैयारी कर रहा है टीम शक्ति। वाराणसी के व्यापारियों के लिए एक व्यापारी नेटवर्क सशक्त मंच है, जो उन्हें अपने व्यापार को विकसित करने और आपसी सहयोग के अवसर प्रदान करता है ।प्रमोटर शाश्वत खेमका ने व्यापारियों को प्रोत्साहित करते हुए भरोसा दिलाया कि व्यापारी नेटवर्क से जुड़ने के बाद आपका व्यापार 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ेगा। इसकी और भी शाखाएं अन्य शहरों में लॉन्च होगी।

कोच राजेश अग्रवाल ने बताया कि व्यापारी नेटवर्क से जुड़े सभी व्यापारियों की बैठक महीने में एक बार होगी और वो भी छुट्टी के दिन ताकि आपके व्यापार में कोई बाधा न आ सके। ये बैठक दो घंटे की होगी जो पूर्वाह्न 11.30 से 1.30 बजे तक होगी और इसके बाद लंच करके बैठक समाप्त हो जायेगी।

ग्रोथ कप्तान मनु विक्रम ने बताया कि वर्तमान में व्यापारी नेटवर्क की तीन टीम सफलतापूर्वक कार्यरत हैं, जो व्यापारियों को नई संभावनाओं और संसाधनों से जोड़ते हैं। अब हम नई टीम वरुणा का शुभारंभ कर रहे हैं, जो नेटवर्क का विस्तार करेगी और अधिक व्यापारियों को लाभान्वित करेगी ।मेंटर पुलकित अग्रवाल ने बताया यह मंच व्यापारिक चुनौतियों का समाधान करने और एक मजबूत व्यावसायिक समुदाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। व्यापारी नेटवर्क के कानूनी सलाहकार आयुष मित्तल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अविरल महरोत्रा व सीएस श्रिया मित्तल ने मीटिंग का संचालन किया। व्यापारी नेटवर्क के चौथी टीम, वरुणा के प्रेसिडेंट- करुणाकर सिंह, सचिव-आदेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष- उत्कर्ष अग्रवाल, और अन्य व्यापारी जैसे डॉक्टर ज्योति, साक्षी, सुमित अरोड़ा, आकाश मित्तल, अविजित सोनी, राहिल, गुंजन, अर्पित अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, अमित ढिंगरा, राजीव, अभिषेक, तनवीर, सहित बनारस के कई प्रतिष्ठित व्यापारी गण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह, स्थानीय संपादक प्रिया दूबे,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)